लखनऊ

मंगलवार, 5 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 251

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"किस्मत की जीत एक दिन की होती है, लेकिन मेहनत की जीत हमेशा के लिए इतिहास बन जाती है।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

पश्चिम बंगाल में पहली बार खिला 'कमल' बीजेपी की प्रचंड जीत

बंगाल, तमिलनाडु, केरल में ढहे सत्ता के किले लेकिन असम में हिमंता नहीं हिले

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में 15 साल पुराने 'दीदी' के अभेद्य किले को ढहाकर भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक भगवा परचम लहराया है, वहीं तमिलनाडु में 'थलापति' विजय के उदय ने द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक स्वरूप को बदल कर रख दिया है। असम में हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में विकास की 'हैट्रिक' लगी है, तो दूसरी तरफ केरल की जनता ने 10 साल बाद बदलाव की राह चुनते हुए कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ (UDF) को सत्ता की चाबी सौंपी है। पुडुचेरी में भी एनडीए गठबंधन ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है।

हमारे एक एजेंट को घुसने नहीं दिया- ममता बनर्जी

TMC अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि तीन बजे से वे हमें मार रहे हैं, उन्होंने मुझे लात मारी, CCTV बंद कर दिया, हमारे एक एजेंट को घुसने नहीं दिया। मैं 5 मिनट के लिए घुसी थी, मैंने अनुरोध किया था कि हमारे एजेंट को घुसने दें, उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वे घुसने देंगे लेकिन फिर कोई उपलब्ध नहीं था। मैंने हर जगह शिकायत की।

टीएमसी के भय पर मोदी के भरोसे की जीत: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जताते हुए एक्स पर कई पोस्ट किए हैं। जिसमें उन्होंने लिखा- बंगाल की जनता को कोटि-कोटि नमन यह प्रचंड जनादेश भय, तुष्टीकरण और घुसपैठियों के संरक्षकों को बंगाल की जनता का करारा जवाब है। यह टीएमसी के 'भय के ऊपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'भरोसे' की जीत है। मेरे जैसे हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह गर्व का क्षण है कि गंगोत्री में मां गंगा के उद्गम से लेकर गंगासागर तक आज हर जगह भाजपा का भगवा ध्वज शान से लहरा रहा है।

'गंगोत्री से गंगासागर तक खिला कमल : पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंचे, जहां उनका विशेष अंदाज देखने को मिला। वे बंगाली कुर्ता-पाजामा पहनकर पार्टी कार्यालय में नजर आए, जिससे माहौल और भी खास हो गया। चुनावी नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और प्रधानमंत्री उनके साथ मिलकर जीत का जश्न मनाने वाले हैं। मुख्यालय में पहले से ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटने लगे हैं और पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखा जा रहा है।

पीएम मोदी ने संबोधन शुरू करते हुए कहा कि आज का दिन अहम है, जब वर्षों की साधना सिद्धी में बदलती है तो चेहरे पर जो खुशी होती है, वो खुशी आज मैं देशभर के भाजपा के कार्यकर्ता के चेहरे पर दे रहा हूं। मैं कार्यकर्ता के नाते हर भाजपा कार्यकर्ता की खुशी में शामिल हूं। आज का ये दिवस कई मायनों में खास है, विशेष है। ये देश के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है। ये भरोसे का दिन है। भरोसा भारत के महान लोकतंत्र पर, भरोसा प्रदर्शन की राजनीति पर। भरोसा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर। मैं बंगाल की जनता का, असम की जनता का, पुदुचेरी की जनता का, तमिलनाडु और केरल की जनता का आदरपूर्वक नमन करता हूं। मैं उनका वंदन करता हूं। पीएम ने कहा भाजपा के हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता ने कमाल कर दिया है, कमल खिला दिया है। आपने नया इतिहास रच दिया है। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन के अध्यक्ष पद संभालने के बाद ये पहले विधानसभा चुनाव थे।

विजय का धमाकेदार चुनावी डेब्यू, दोनों सीटों से बंपर जीत, सत्ता के एंट्री गेट पर कब्जा

साउथ सिनेमा के मेगास्टार थलापति विजय की धमाकेदार जीत हुई है। उन्होंने न सिर्फ सत्ता पर कब्जा जमाया है, बल्कि खुद भी बंपर वोटों से जीत दर्ज की है। वह दो सीटों से चुनाव लड़ रहे थे, जिन पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई थीं। इसमें से पहली सीट है तिरुचिरापल्ली ईस्ट। यहां से विजय ने DMK के मौजूदा विधायक इनिगो इरुदयाराज को 27416 वोटों से हरा दिया है। चुनावी एक्सपर्ट के मुताबिक इस सीट पर अल्पसंख्यक और युवा वर्ग चुनाव जिताने में अहम भूमिका निभाते हैं, जिनका विजय को भरपूर समर्थन मिला है। दूसरी सीट पेरम्बूर विधानसभा है, यहां से भी विजय ने DMK के दो बार के विधायक आर.डी. शेखर से 53715 वोटों से हरा दिया है। दोनों सीटों पर तीसरे स्थान पर AIADMK उम्मीदवार रहे। त्रिची पूर्व एक शहरी विधानसभा है। यहां की लगभग पूरी आबादी शहर में रहती है। इस सीट को अक्सर तमिलनाडु की सत्ता का प्रवेश द्वार कहा जाता है। इसी लिए विजय ने इसे चुना है। उन्हें अपनी फैन फॉलोइंग पर पूरा भरोसा था। पिछला चुनाव यहां उद्योगपति और ईसाई सद्भावना आंदोलन के संस्थापक इरुदयराज ने 53,797 वोटों के अंतर से जीता था। यह इस सीट की सबसे बड़ी जीत थी। उन्होंने AIADMK के विधायक वेल्लामंडी नटराजन को हराया था।

'मुझे लात मारी गई' : सीएम ममता बनर्जी का गंभीर आरोप, बोलीं- सीसीटीवी बंद कर एजेंटों को रोका

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों में पिछड़ने के बाद मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आक्रामक रुख अपना लिया है। राज्य में टीएमसी की जमीन खिसकने के बाद उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। ममता बनर्जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी पार्टी इस हार से घबराने वाली नहीं है और वे जोरदार वापसी करेंगे।

ममता बनर्जी ने कहा, 'भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें लूटी हैं। चुनाव आयोग अब भाजपा का कमीशन बन चुका है। मैंने इस संबंध में चुनाव अधिकारी और मनोज अग्रवाल से भी शिकायत की थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।' दीदी ने इस

जीत की वैधता पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया। ममता बनर्जी ने आगे कहा, 'क्या आपको लगता है कि यह कोई जीत है? यह एक अनैतिक जीत है, नैतिक जीत नहीं है। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय बलों के साथ मिलकर जो कुछ भी किया है, वह पूरी तरह से अवैध है। यह सिर्फ लूट, लूट और लूट है। हम फिर से वापसी करेंगे।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने मतगणना के दौरान गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दोपहर 3 बजे से उनके कार्यकर्ताओं को पीटा गया और उनके साथ बदसलूकी करते हुए उन्हें लात मारी गई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मतगणना केंद्र के सीसीटीवी बंद कर दिए गए और उनके एजेंटों को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया। ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं खुद पांच मिनट के लिए अंदर गई थी और एजेंट को अनुमति देने का अनुरोध किया था, जिस पर आश्वासन तो मिला लेकिन बाद में कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं हुआ।'

राहुल ने असम-बंगाल के नतीजों पर साधा निशाना; कहा- चुनाव चोरी, संस्था चोरी- अब और चारा ही क्या है!

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने असम और पश्चिम बंगाल में हुए चुनावों को 'चोरी किया गया चुनाव' बताते हुए भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि पश्चिम बंगाल में 100 से ज्यादा सीटें कथित तौर पर छीन ली गईं, और इस बात से वे ममता बनर्जी के आरोपों से भी सहमत हैं। उन्होंने दावा किया कि यह कोई नया पैटर्न नहीं है, बल्कि पहले भी कई राज्यों में ऐसा देखा गया है। राहुल गांधी ने अपने आरोपों को मजबूत करते हुए मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और लोकसभा 2024 का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन सभी चुनावों में एक ही तरह का 'पैटर्न' देखने को मिला, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी लिखा कि 'चुनाव चोरी, संस्था चोरी- अब और क्या बचा है'।

संक्षेप

भारत-चीन संबंधों को नई ऊंचाई देगा शुरू होने वाला व्यापार, सीमा के करीब बसे लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली। पिथौरागढ़ के लिपुलेख दर्रे से इस जून में भारत-चीन के बीच व्यापार शुरू होने की उम्मीद है। सीमा के आसपास बसे उत्तराखंड और तिब्बत के स्थानीय निवासियों को अच्छा आर्थिक लाभ मिलेगा। व्यापार की शुरुआत होने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को एक नई ऊर्जा मिलेगी। यही कारण है कि इस व्यापार को लेकर दोनों देश बहुत उत्साहित हैं। भारत-चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से लंबे समय से व्यापार होता रहा है, लेकिन कोरोना काल और भारत-चीन के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच इसे बंद कर दिया गया था। लगभग छह वर्ष बाद व्यापार एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत और चीन दोनों ही देश आपसी संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। लिपुलेख व्यापार इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। मौद्रिक मूल्यों में यह व्यापार बहुत बड़ा नहीं है। दोनों देशों के बीच करीब दो से पांच करोड़ रुपये के बीच का ही व्यापार होता रहा है। सीमा के आसपास बसे चीन और भारत के स्थानीय निवासी इस दर्रे से आपस में व्यापार करते आए हैं, लेकिन रणनीतिक रूप से यह बहुत अहम है। पूरी क्षमता का उपयोग होने से सौ करोड़ रुपये तक व्यापार होने की संभावना है।

राहुल गांधी से शादी की खबरों पर भड़कीं कंगना रनौत, बोलीं- महिलाओं के लिए सम्मान नहीं

नईदिल्ली। कंगना रनौत अपनी हाजिरजवाबी को लेकर हमेशा से चर्चाओं में रहती हैं। अपने खिलाफ की गई बयानबाजी पर अभिनेत्री टिप्पणी करने से कभी नहीं चूकतीं। कुछ ऐसा ही उन्होंने फिर किया है। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए एक मीम पेज पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणी की गई थी। उन्होंने साफ कर दिया है कि इस तरह की टिप्पणी को वो बिल्कुल भी मजाक में नहीं लेंगी। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उस मीम पेज का स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिस पर लिखा है, अगर राहुल गांधी भाजपा में शामिल होंगे तो मैं उनसे शादी करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने पोस्ट पर अपनी नाराजगी जाहिर की और आगे लिखा, यह फर्जी खबर कितनी घटिया है। राजनीति में भी महिलाओं के लिए कोई सम्मान नहीं है। इस फर्जी खबर को फैलाने वालों पर शर्म आती है। कंगना का यह स्पष्टीकरण उन कई खबरों के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि अभिनेत्री ने कथित तौर पर कहा था कि अगर कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल होने का फैसला करते हैं तो वह उनसे शादी कर लेंगी। हालांकि, कंगना ने अपनी प्रतिक्रिया से इन वायरल खबरों पर विराम लगा दिया है। काम की बात करें, तो कंगना इन दिनों आगामी फिल्म क्वीन 2 की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं।

केशव मौर्य ने अखिलेश पर कसा तंज, कहा- 'जनता अब उनकी सुनने को तैयार नहीं'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जनता उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में मौर्य ने लिखा, 'सपा प्रमुख अखिलेश यादव को अब जनता सुनने को तैयार नहीं है। उनके तमिलनाडु वाले 'भैया' एम. के. स्टालिन और बंगाल की 'दीदी' ममता बनर्जी को भी जनता ने हाशिए पर धकेल दिया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'उनके 'भैया' राहुल गांधी का हाल पहले ही सब देख चुके हैं, और हाल ही में बिहार में तेजस्वी यादव भी पराजित हो चुके हैं।' केशव मौर्य ने कहा "समाजवादी पार्टी को वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्ता के सपने देखना छोड़ देना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भाजपा आगे जा रही है और सपा के हिस्से अब केवल इंतजार ही रह गया है।" इसी बीच, विभिन्न राज्यों में चल रही मतगणना के रुझानों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल और असम में बढ़त बनाए हुए है।

सीएम योगी ने नवचयनित लेखा परीक्षकों को दिए नियुक्ति पत्र, बोले- उत्तर प्रदेश अब आत्मनिर्भर राज्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य आज बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को अपने वित्तीय संसाधनों के दम पर पूरा करने की क्षमता रखता है और अब यह 'रेवेन्यू सरप्लस स्टेट' बन चुका है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ स्थित लोकभवन में सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग के लिए नवचयनित 371 लेखा परीक्षकों तथा स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के 129 नवचयनित कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू राज्य' माना जाता था और वित्तीय स्थिति कमजोर थी। उन्होंने दावा किया कि उस समय राज्य को कर्ज देने के लिए बैंक भी तैयार नहीं होते थे, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे जैसी करीब 600 किलोमीटर लंबी परियोजना बिना बैंक कर्ज के राज्य के संसाधनों से पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब बैंकों और वित्तीय संस्थानों में उत्तर प्रदेश में निवेश करने की होड़ है।

उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले योजनाओं की लागत कई गुना बढ़ जाती थी और परियोजनाएं अधूरी रह जाती थीं। इसके विपरीत वर्तमान सरकार ने वित्तीय अनुशासन को मजबूत कर राज्य की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय और बजट को तीन गुना करने का दावा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के कारण अब तक नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और गोपनीय होती है, जिसमें किसी प्रकार की सिफारिश की कोई भूमिका नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि पहले की भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक जैसी समस्याएं थीं, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में 'कत्तई बर्दाश्त नही' की नीति के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने कार्य से राज्य के वित्तीय ढांचे को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ईडी को नोटिस जारी नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- अधिकारी खुद को 'सुपर सीजेआई' समझते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने ही रजिस्ट्री तंत्र के कामकाज पर तीखी नाराजगी जताते हुए उसे नैस्टी करार दिया। कोर्ट ने कहा कि कुछ अधिकारी खुद को सुपर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया समझने लगे हैं। अदालत ने इस मामले में प्रशासनिक चूक की जांच के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ यह टिप्पणी उस समय कर रही थी, जब वह आयुषी मित्तल उर्फ आयुषी अग्रवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आयुषी मित्तल और उनके पति पर 37,000 करोड़ रुपये से अधिक के कथित निवेश घोटाले में शामिल होने का आरोप है।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने 23 मार्च के अपने आदेश का हवाला देते हुए कहा कि यह समझ से परे है कि रजिस्ट्री ने कैसे निष्कर्ष निकाल लिया कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) को नोटिस जारी नहीं किया गया।

सीजेआई ने कड़े शब्दों में कहा कि रजिस्ट्री बहुत खराब तरीके से काम कर रही है। यहां बैठे लोग खुद को सुपर सीजेआई समझते हैं। अदालत ने अपने ताजा आदेश में स्पष्ट किया कि 23 मार्च के आदेश का आशय ED को पक्षकार बनाकर नोटिस जारी करना था। पीठ ने निर्देश दिया कि ED को तुरंत नोटिस भेजा जाए।

संपत्तियों का पूरा ब्योरा मांगा

अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक याचिकाकर्ता और उसके परिवार की सभी चल और अचल संपत्तियों का समग्र विवरण नहीं दिया जाता, तब तक जमानत याचिका पर मेरिट के आधार पर विचार नहीं किया जाएगा। पीठ ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता का कानूनी प्रतिनिधि एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करे, जिसमें याचिकाकर्ता, उसके पति, बच्चों, माता-पिता, भाई-बहनों और ससुराल पक्ष की संपत्तियों का पूरा विवरण हो। इसके अलावा कंपनी के निदेशकों, प्रबंधकों और प्रमुख कर्मचारियों की संपत्तियों की जानकारी भी देने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि संपत्तियों का पूरा ब्योरा मिलने के बाद ही जमानत पर विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई मई में सूचीबद्ध की गई है।

जांच के आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्री में हुई इस चूक को गंभीर मानते हुए रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल को तथ्यात्मक जांच करने का निर्देश दिया है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि अदालत के आदेश की गलत व्याख्या कैसे हुई और नोटिस जारी क्यों नहीं किया गया।

घोटाले का मामला और जमानत याचिका

मामला एक बड़े निवेश घोटाले से जुड़ा है, जिसमें याचिकाकर्ता आयुषी मित्तल, उनके पति और उनकी कंपनी पर हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप हैं। बचाव पक्ष का कहना है कि निवेशकों का एक बड़ा हिस्सा पैसा वापस कर दिया गया है, हालांकि सैकड़ों करोड़ रुपये अभी भी बैंक खातों में फ्रीज हैं, जिन्हें ईडी ने जब्त कर रखा है।

उत्तर भारत में अंधड़-बारिश से थमा प्रचंड गर्मी का दौर, 19 राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत के कई राज्यों में अंधड़-बारिश के कारण मौसम बिगड़ा हुआ है। इससे जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं तूफानी हवाएं जानलेवा साबित हो रही हैं। राजस्थान में अंधड़ के कारण हुए हादसों में रविवार को 3 लोगों की मौत हो गई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 19 राज्यों में बारिश और आंधी चलने की चेतावनी जारी की है।

दिल्ली समेत एनसीआर इलाके में रविवार के बाद सोमवार सुबह हुई बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं के कारण मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग ने 4 मई के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 5 मई को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

नदी से शव मिलने पर सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद के कोइरीपुर क्षेत्र में स्थित सिंघौली जालपा मंदिर के सामने लगभग 50 मीटर की दूरी पर पीली नदी में सोमवार सुबह लगभग 6.00 बजे एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची कोतवाली चांदा पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। बाद में उसकी पहचान कंचन नगर कोइरीपुर निवासी नन्हे लाल बरनवाल (50) पुत्र साधूराम बरनवाल के रूप में हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक की शादी नहीं हुई थी। तथा मृतक पिछले तीन-चार दिनों से बाजार में दिखाई नहीं दे रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि नन्हे लाल बरनवाल कबाड़ बीनकर अपना जीवन यापन करता था और घर पर अकेले रहता था। उसे दौरा (मिर्गी) की बीमारी भी थी। मृतक दो भाइयों में बड़ा था, जबकि उसका छोटा भाई मनोज बरनवाल है। परिजन मुंबई में रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू कराई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

38 तबादलों के बीच क्यों हो रही आईएएस रमेश रंजन की सबसे ज्यादा चर्चा? लेडी तहसीलदार संग हुआ था आईफ़ोन विवाद

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। त्तर प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों एक आईफोन और एप्पल वॉच ने बड़ा सियासी और प्रशासनिक तूफान खड़ा कर दिया है। फिरोजाबाद के जिलाधिकारी (DM) रमेश रंजन और टूंडला की तहसीलदार राखी शर्मा के बीच का टकराव अब सीधे लखनऊ की चौखट तक पहुंच गया है। योगी सरकार ने रविवार देर रात जारी 38 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची में कड़ा कदम उठाते हुए डीएम रमेश रंजन को उनके पद से हटा दिया है। वहीं, शिकायतकर्ता तहसीलदार को पहले ही हटाया जा चुका था।

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब टूंडला की तहसीलदार राखी शर्मा (PCS अधिकारी) ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डीएम रमेश रंजन पर सनसनीखेज आरोप लगाए। राखी शर्मा ने दावा किया कि जिलाधिकारी ने अपने ओएसडी (OSD) शैलेंद्र शर्मा के माध्यम से उनसे 1.75 लाख रुपये की कीमत वाला iPhone 15 Pro Max और एक एप्पल वॉच रिश्वत के तौर पर मांगी थी।

तहसीलदार का सबसे चौंकाने वाला दावा यह था कि 4 नवंबर 2025 की रात को आगरा के क्रोमा शोरूम को खास तौर पर देर रात तक खुलवाकर यह फोन और घड़ी खरीदवाई गई थी। राखी शर्मा ने प्रेस के सामने कहा कि इस खरीदारी का बिल उनके पास सुरक्षित है और उक्त फोन में आज भी जिलाधिकारी की ही सिम कार्ड चल रही है।

मानसिक उत्पीड़न और सैलरी रोकने का आरोप

विवाद की जड़ केवल उपहारों तक सीमित नहीं थी। राखी शर्मा का आरोप है कि डीएम द्वारा उन्हें एक विवादित जांच रिपोर्ट को गलत तरीके से पेश करने के लिए मजबूर किया गया। जब उन्होंने नियमों के विरुद्ध जाकर रिपोर्ट देने से इनकार कर दिया, तो उनका उत्पीड़न शुरू हो गया। राखी ने दावा किया कि उनकी 8 महीने की सैलरी रोकी गई, उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और छुट्टी मांगने पर भी उनका शोषण हुआ।

डीएम का पक्ष और शासन की कार्रवाई

दूसरी ओर, 2013 बैच के आईएएस अधिकारी रमेश रंजन ने इन सभी आरोपों को 'बेबुनियाद' और 'मनगढ़ंत' करार दिया है। उनका तर्क है कि तहसीलदार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और ट्रांसफर के डर से उन्होंने इस तरह के झूठे आरोप लगाए हैं।

हालांकि, शासन ने मामले की गंभीरता और सार्वजनिक रूप से अफसरों की भिड़ंत को देखते हुए दोनों को फील्ड से बाहर कर दिया है। तहसीलदार राखी शर्मा को पहले ही राजस्व परिषद लखनऊ मुख्यालय से संबद्ध (Attach) कर दिया गया था, और अब डीएम रमेश रंजन को भी हटाकर राजस्व परिषद भेज दिया गया है। उनकी जगह संतोष कुमार शर्मा को फिरोजाबाद का नया जिलाधिकारी बनाया गया है।

यह मामला यूपी ब्यूरोक्रेसी में 'पावर स्ट्रगल' और भ्रष्टाचार के आरोपों का एक ऐसा उदाहरण बन गया है, जिसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देगी। फिलहाल मंडलायुक्त स्तर पर जांच जारी है, जिसके बाद ही दूध का दूध और पानी का पानी हो सकेगा।

मां और 4 बच्चों की बेरहमी से की थी हत्या... पुलिस एनकाउंटर में आरोपी आमिर ढेर

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। यूपी के अंबेडकरनगर में मां और 4 बच्चों की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। आरोपी आमिर और पुलिस के बीच रविवार सुबह 5 बजे नेवतरिया बाईपास के पास मुठभेड़ हुई। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली थी कि आरोपी आमिर भागने की फिराक में है। इसलिए उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई थी। पुलिस को देखते हुए आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी और जवाबी कार्रवाई में मारा गया। घटना के बाद पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, रविवार तड़के सूचना मिली थी कि आरोपी आमिर फरार होने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस और एसओजी टीम ने इलाके में घेराबंदी की। इसी दौरान बाइक पर एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने की कोशिश की, लेकिन वह बाइक मोड़कर भागने लगा। भागने के दौरान उसकी बाइक फिसल गई, जिसके बाद उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

दरोगा और सिपाही हुए घायल

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आमिर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सीने में गोली लगी थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान एसओजी प्रभारी विनोद यादव की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी। वहीं एक दरोगा और एक सिपाही घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है।

कब हुई थी घटना?

2 मई को अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में एक ही परिवार के चार बच्चों के शव घर के अंदर बिस्तर पर खून से लथपथ मिला था। बच्चों की बेरहमी से ईंट से कूचकर हत्या की गई थी। घटना के बाद बच्चों की मां गाजिया खातून लापता थी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। शुरुआती जांच में पुलिस ने आशंका जताई थी कि मां बच्चों की हत्या कर फरार हो गई है, लेकिन रविवार को घर से करीब 100 मीटर दूर गाजिया खातून का शव मिला। महिला के शरीर पर चोट के कई निशान मिले, जिसके बाद हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज की गई। पुलिस जांच में आमिर का नाम सामने आया। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस जघन्य हत्याकांड के पीछे आरोपी का मकसद क्या था। पुलिस का कहना है कि सबूतों और जांच के आधार पर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस उपमहानिरीक्षक ने की समीक्षा

सुल्तानपुर। अयोध्या परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक सोमेन बर्मा ने पुलिस लाइन सभागार में जिले की कानून-व्यवस्था,लंबित मुकदमों की पैरवी और आगामी पर्वों की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। डीआईजी ने स्पष्ट कहा कि न्यायालयों में प्रभावी पैरवी और गुणवत्तापूर्ण विवेचना से ही अपराधियों को सजा दिलाई जा सकती है, इसलिए किसी स्तर पर लापरवाही न हो। बैठक में मॉनिटरिंग सेल एवं न्यायालय पैरोकारों के कार्यों का परीक्षण करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण पर जोर दिया गया। अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही, विवेचकों की प्रगति, मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा संबंधी कार्य, मिशन शक्ति केंद्रों के रजिस्टरों का रखरखाव, डायल 112 सेवा की सक्रियता तथा रिक्रूट आरक्षियों के व्यवहारिक प्रशिक्षण की समीक्षा की गई।

श्री रामलीला उत्सव समिति ने किया प्रमोद मिश्रा का स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू के संयोजन में रविवार को अमृतनगर, घाटकोपर वेस्ट में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के नवनियुक्त मुंबई प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया। समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल 'रिंकू' द्वारा उन्हें शाल, पुष्पगुच्छ एवं संकल्प पत्रिका भेंट कर सम्मानित किया गया। पत्रकार आदेश मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर प्रमोद मिश्रा ने समिति के पूर्व अध्यक्ष, लोकप्रिय समाजसेवी एवं समाज के पुरोधा स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल के कार्यों को याद करते हुए भावुकता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि स्व. शुक्ल द्वारा सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह में 1287 कन्याओं का कन्यादान, कंबल वितरण, चश्मा वितरण, दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल प्रदान करने सहित अनेक सामाजिक कार्य किए गए, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता रामबिलास पाठक, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा ईशान्य मुंबई जिला अध्यक्ष मनोज सिंह, समिति सचिव दिवाकर मिश्रा, कार्याध्यक्ष दलजीत पांडेय, अरविंद शुक्ल, समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह, और समिति के सर्वदेव पांडेय, रत्नेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, के.के. पांडेय, अवधेश तिवारी, प्रदीप मिश्रा, घनश्याम पाठक, संदीप दुबे, नीरज शुक्ला, प्रशांत चंद्रशेखर शुक्ल, राजेश पांडेय सहित समिति के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल 'रिंकू' ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बंगाल फतह कर भाजपा ने रचा सियासी इतिहास : सुरेश पासी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की प्रचंड जीत ने देश की राजनीति में नया अध्याय लिख दिया है। बंगाल में पहली बार ऐतिहासिक विजय दर्ज कर भाजपा ने विपक्ष के किले को ध्वस्त कर दिया। जिले में इस ऐतिहासिक जीत पर पयागीपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर जबरदस्त जश्न देखने को मिला। जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े, मिष्ठान बांटा और जोरदार उत्सव मनाया। पूर्व मंत्री व विधायक सुरेश पासी ने कहा, बंगाल की यह जीत अभूतपूर्व है,भाजपा ने नया इतिहास रच दिया है। बंगाल फतह कर भाजपा ने सियासी इतिहास बदल दिया है। प्रदेश मंत्री मीना चौबे ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा यह जीत महिला सुरक्षा, विकास और विश्वास की जीत है, जिसे कोई नकार नहीं सकता। बंगाल में मिली जीत अद्भुत व अविश्वसनीय है।जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने कहा बंगाल में आजादी के बाद पहली बार भगवा लहराया है। बंगाल की जनता ने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और अराजकता को जड़ से उखाड़ फेंका है। उन्होंने आगे कहा कि "2027 के यूपी चुनाव में भी भाजपा ऐतिहासिक और प्रचंड जीत दर्ज करेगी। मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय परिषद सदस्य डॉ. एमपी सिंह, रामचंद्र मिश्रा, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, डॉ.सीताशरण त्रिपाठी, जगजीत सिंह छंगू, घनश्याम चौहान, विजय त्रिपाठी, सुमन सिंह, संदीप सिंह, विजय रघुवंशी, डॉ. डीएस मिश्रा, अयोध्या प्रसाद वर्मा, शशिकांत पांडेय, बबिता तिवारी, बबिता जायसवाल, संजय सोमवंशी, चंदन नारायण सिंह, अखिलेश जायसवाल, आलोक आर्य, आशीष सिंह रानू, रामेंद्र प्रताप सिंह, दिनेश चौरसिया, राजेश सिंह, मनोज मौर्य, राजेश दूबे, रेखा निषाद, मनीषा पांडेय, सुमन राव कोरी, कमला सिंह, सुनीता अग्रवाल, ऊषा शुक्ला, संजय उपाध्याय, राजीव सिंह, राहुल भान मिश्रा, अतुल सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहकर जश्न मनाया। वही तीन प्रदेशों में मिली जीत पर नगर अध्यक्ष रीना जायसवाल के संयोजन में पोस्ट आफिस चौराहे पर आतिशबाजी व मिष्ठान वितरण कर ज़श्न मनाया।

संदिग्ध परिस्थिति में किशोरी का शव पंखे से लटकता मिला

सुल्तानपुर। धम्मौर थाना क्षेत्र के बनकेपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब एक 17 वर्षीय किशोरी का शव घर के कमरे में पंखे से लटकता मिला। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में ले लिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक किशोरी ने दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या की है, हालांकि मौत के पीछे की वजह अभी साफ नहीं हो सकी है।घटना की सूचना मिलते ही थाना धम्मौर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर फॉरेंसिक यूनिट को बुलाया, जहां टीम ने कमरे से जरूरी साक्ष्य जुटाए और हर पहलू की बारीकी से पड़ताल की। किशोरी की मौत से परिवार में कोहराम मचा है,वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा।

फरिश्ता बनकर आए थे, खुद ही शिकार बन गए : दो भाइयों समेत 8 को कार ने रौंद डाला, अंबेडकरनगर हादसे की पूरी कहानी

आर्यावर्तसंवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले से एक ऐसी हृदयविदारक खबर सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। जलालपुर थाना क्षेत्र के अशरफपुर भुवा भट्ठे के पास रविवार आधी रात को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। इस घटना की सबसे दुखद बात यह रही कि जिन लोगों की मौत हुई, उनमें से कई वे लोग थे जो सड़क पर घायल पड़े अजनबियों की जान बचाने के लिए वहां रुके थे। मानवता दिखाने की यह कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

घटना रविवार रात करीब 12 बजे की है। अकबरपुर-जलालपुर मार्ग पर दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर अपनी गाड़ियां रोककर उनकी मदद के लिए दौड़े। इन्हीं राहगीरों में सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी दो सगे भाई, आदित्य (25) और दिव्यांशु उर्फ छोटू (14) भी शामिल थे। दोनों भाई एक वैवाहिक कार्यक्रम (बारात) से लौट रहे थे। घायलों को तड़पता देख उनसे रहा नहीं गया और उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल रोक दी। वे एम्बुलेंस को फोन कर रहे थे और घायलों को उठाने का प्रयास कर रहे थे ताकि उनकी जान बचाई जा सके। उन्हें क्या पता था कि किसी की जान बचाने की यह नेक कोशिश उनकी अपनी मौत का कारण बन जाएगी।

जब सड़क पर घायलों की मदद के लिए भीड़ जुटी थी, तभी अचानक एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार आई। कार की गति इतनी अधिक थी कि चालक उस पर नियंत्रण नहीं रख सका। बेकाबू कार ने सड़क पर खड़े मददगारों और पहले से घायल पड़े लोगों को बेरहमी से रौंद दिया। लोगों को कुचलने के बाद कार सड़क किनारे एक गहरे गड्ढे/खाई में जा पलटी। एक पल में वहां का नजारा बदल गया। जो लोग दूसरों को अस्पताल भेजने की तैयारी कर रहे थे, वे खुद लहूलुहान होकर सड़क पर पड़े थे। मौके पर मची चीख-पुकार सुनकर पुलिस और अन्य स्थानीय लोग पहुंचे।

6 की मौके पर मौत, 2 ने अस्पताल में तोड़ा दम

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जलालपुर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य घायलों को गंभीर हालत में टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे ने कुल 8 परिवारों के चिराग बुझा दिए।

पिता के मना करने पर भी बारात गया था आदित्य

हादसे में जान गंवाने वाले सगे भाई आदित्य और दिव्यांशु की कहानी बेहद भावुक करने वाली है। परिजनों के मुताबिक, आदित्य अभी एक सप्ताह पहले ही प्रदेश से घर लौटा था। रविवार रात पिता ने उसे बारात जाने से बार-बार मना किया था, लेकिन वह छोटे भाई के साथ चला गया। बारात से लौटते समय दोनों ने मानवता का परिचय दिया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनके गांव जैनापुर में इस खबर के बाद से चूल्हा तक नहीं जला है।

मृतकों की पहचान

पुलिस के अनुसार, मृतकों में निम्नलिखित लोग शामिल हैं:

आदित्य (25) और दिव्यांशु (14) – सगे भाई, निवासी जैनापुर।

उत्तम कुमार (24) – निवासी सेमरा, कटका।

लालचंद्र (24) – निवासी पट्टी मुइथन, जलालपुर।

कैफी (32) – निवासी लोरपुर ताजन/सैदापुर।

राजू गुप्ता (32) – निवासी सिकंदरपुर, सम्मनपुर।

दो अन्य शवों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

फरिश्ता बनकर आए थे, खुद ही शिकार बन गए : दो भाइयों समेत 8 को कार ने रौंद डाला, अंबेडकरनगर हादसे की पूरी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले से एक ऐसी हृदयविदारक खबर सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। जलालपुर थाना क्षेत्र के अशरफपुर भुवा भट्ठे के पास रविवार आधी रात को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। इस घटना की सबसे दुखद बात यह रही कि जिन लोगों की मौत हुई, उनमें से कई वे लोग थे जो सड़क पर घायल पड़े अजनबियों की जान बचाने के लिए वहां रुके थे। मानवता दिखाने की यह कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

घटना रविवार रात करीब 12 बजे की है। अकबरपुर-जलालपुर मार्ग पर दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर अपनी गाड़ियां रोककर उनकी मदद के लिए दौड़े।

इन्हीं राहगीरों में सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी दो सगे भाई, आदित्य (25) और दिव्यांशु उर्फ छोटू (14) भी शामिल थे। दोनों भाई एक वैवाहिक कार्यक्रम (बारात) से लौट रहे थे। घायलों को तड़पता देख उनसे रहा नहीं गया और उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल रोक दी। वे एम्बुलेंस को फोन कर रहे थे और घायलों को उठाने का प्रयास कर रहे थे ताकि उनकी जान बचाई जा सके। उन्हें क्या पता था कि किसी की जान बचाने की यह नेक कोशिश उनकी अपनी मौत का कारण बन जाएगी।

मृतकों की पहचान

पुलिस के अनुसार, मृतकों में निम्नलिखित लोग शामिल हैं :

आदित्य (25) और दिव्यांशु (14) – सगे भाई, निवासी जैनापुर।

उत्तम कुमार (24) – निवासी सेमरा, कटका।

लालचंद्र (24) – निवासी पट्टी मुइथन, जलालपुर।

कैफी (32) – निवासी लोरपुर ताजन/सैदापुर।

राजू गुप्ता (32) – निवासी सिकंदरपुर, सम्मनपुर।

दो अन्य शवों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

खाई में गिरते-गिरते सबको रौंद गई बेकाबू कार

जब सड़क पर घायलों की मदद के लिए भीड़ जुटी थी, तभी अचानक एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार आई। कार की गति इतनी अधिक थी कि चालक उस पर नियंत्रण नहीं रख सका। बेकाबू कार ने सड़क पर खड़े मददगारों और पहले से घायल पड़े लोगों को बेरहमी से रौंद दिया। लोगों को कुचलने के बाद कार सड़क किनारे एक गहरे गड्ढे/खाई में जा पलटी। एक पल में वहां का नजारा बदल गया। जो लोग दूसरों को अस्पताल भेजने की तैयारी कर रहे थे, वे खुद लहूलुहान होकर सड़क पर पड़े थे। मौके पर मची चीख-पुकार सुनकर पुलिस और अन्य स्थानीय लोग पहुंचे।

6 की मौके पर मौत, 2 ने अस्पताल में तोड़ा दम

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जलालपुर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य घायलों को गंभीर हालत में टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे ने कुल 8 परिवारों के चिराग बुझा दिए।

पिता के मना करने पर भी बारात गया था आदित्य

हादसे में जान गंवाने वाले सगे भाई आदित्य और दिव्यांशु की कहानी बेहद भावुक करने वाली है। परिजनों के मुताबिक, आदित्य अभी एक सप्ताह पहले ही प्रदेश से घर लौटा था। रविवार रात पिता ने उसे बारात जाने से बार-बार मना किया था, लेकिन वह छोटे भाई के साथ चला गया। बारात से लौटते समय दोनों ने मानवता का परिचय दिया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनके गांव जैनापुर में इस खबर के बाद से चूल्हा तक नहीं जला है।

प्रशासनिक कार्रवाई

अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) डॉ. जयवीर सिंह ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस कार चालक और घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। जिला प्रशासन ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इलाके में गम और गुस्से का माहौल है, क्योंकि एक छोटी सी लापरवाही ने 8 हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर दिया।

जनपद में अकाउंटेंटों की लंबी पारी, तीन–तीन ब्लॉकों पर कब्जा

» 5 साल से जमे कर्मचारी संभाल रहे कई विकास खंड, तबादला नीति पर उठे सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के विकास खंडों में अकाउंटेंट पद पर तैनात कर्मचारियों की तैनाती अब प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। वित्तीय अभिलेख, भुगतान और लेखा-जोखा जैसे बेहद संवेदनशील कार्य देखने वाले कर्मचारी वर्षों से एक ही जगह जमे हैं, जबकि कई के पास दो से तीन विकास खंडों का अतिरिक्त चार्ज भी है। इससे तबादला नीति की निष्पक्षता और विभागीय पारदर्शिता दोनों कटघरे में हैं। सूत्रों के मुताबिक अकाउंटेंट सत्य नारायण गौतम पिछले पांच वर्ष से बल्दीराय, चार वर्ष से कुड़वार और दो वर्ष से दूबेपुर विकास खंड का जिम्मा संभाल रहे हैं। शएक ही कर्मचारी के हाथ में तीन ब्लॉकों की वित्तीय कमान होना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी तरह वीर सिंह भारती पिछले चार-चार वर्षों से जयसिंहपुर और कूरेभार में तैनात हैं। वहीं जीतू राम भी अखंडनगर और कादीपुर विकास खंड में पिछले पांच-पांच वर्षों से अकाउंटेंट पद पर जमे हुए हैं। विकास खंडों में अकाउंटेंट जैसे अहम और संवेदनशील पद पर वर्षों से एक ही कर्मचारियों की पकड़ को लेकर अंदरखाने कई तरह की चर्चाएं हैं।अब जिले भर की निगाहें डीएम इंद्रजीत सिंह पर टिक गई हैं कि वह इस मामले में समीक्षा कर व्यवस्था में बदलाव लाएंगे या फिर यह लंबी पारी यूं ही जारी रहेगी।

सरकारी कर्मचारियों के तबादलों को लेकर योगी सरकार का बड़ा फैसला, इस तिथि के पहले करने होंगे ट्रांसफर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले 31 मई तक किए जाएंगे। इसके लिए सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दे दी गई। जिले में 3 साल और मंडल में 7 साल पूरे कर चुके अधिकारी और कर्मचारी स्थानांतरित किए जाएंगे।

कैबिनेट से पास प्रस्ताव में कहा गया है कि यह स्थानांतरण नीति वर्ष 2026-27 के लिए है। समूह क व ख के ऐसे अधिकारी जो अपने सेवाकाल में किसी जिले में 3 वर्ष पूरे कर चुके हैं, उनका तबादला किया जाएगा। मंडल में तैनाती की यह अवधि 7 वर्ष की होगी। विभागाध्यक्ष और मंडलीय कार्यालयों में की गई तैनाती की अवधि को इस समयसीमा में नहीं गिना जाएगा।

मंडलीय कार्यालयों में तैनाती की अधिकतम सीमा तीन वर्ष होगी और इसके लिए सर्वाधिक समय से कार्यरत अधिकारियों के स्थानांतरण प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की व्यवस्था की गई है। समूह क व ख के स्थानांतरण संवर्गवार कार्यरत अधिकारियों की संख्या के अधिकतम 20 प्रतिशत और समूह ग व घ के कार्मिकों के स्थानांतरण संवर्गवार कुल कार्यरत कार्मिकों की संख्या के अधिकतम 10 प्रतिशत सीमा तक किए जा सकेंगे।

समूह ग के लिए पटल परिवर्तन व क्षेत्र परिवर्तन के संबंध में 13 मई 2022 के शासनादेश के अनुसार व्यवस्था इस बार भी लागू रहेगी। समूह ख व ग के कार्मिकों के स्थानांतरण यथासंभव मेरिट आधारित ट्रांसफर सिस्टम के आधार पर किए जाने की व्यवस्था की गई है।

ईमेल, मोबाइल, मैसेजिंग एप के जरिए भेजे जा सकेंगे समन

कैबिनेट ने तीन नए आपराधिक कानूनों के तहत तीन नियमों की गाइडलाइन को मंजूरी दी। भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ई-साक्ष्य, ई-समन और सामुदायिक सेवा से संबंधित मॉडल नियम (गाइडलाइन) इलाहाबाद हाईकोर्ट की सहमति से तैयार की गई है। इन नियमों के प्रभावी होने से समन ईमेल, मोबाइल और मैसेजिंग एप के जरिए भेजे जा सकेंगे। उत्तर प्रदेश ई-साक्ष्य प्रबंधन नियम 2026 के जरिये डिजिटल साक्ष्यों के संकलन, संरक्षण और न्यायालय में प्रस्तुत करने की एक वैज्ञानिक एवं मानकीकरण व्यवस्था स्थापित की गई है। इससे साक्ष्यों की अखंडता (एंटिग्रिटी) और चेन ऑफ कस्टडी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक आदेशिका (ई-समन) नियम, 2026 के तहत समन एवं वारंट इलेक्ट्रानिक तरीके से जारी हो सकेंगे। ईमेल, मोबाइल और

दिव्यांग बच्चों के माता-पिता को प्राथमिकता

मंदित बच्चों व चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांग बच्चों के माता-पिता की तैनाती विकल्प प्राप्त करके ऐसे स्थान पर किए जाने की व्यवस्था की गई है, जहां उसकी उचित देखभाल व चिकित्सा की समुचित व्यवस्था हो। केंद्र सरकार से घोषित 8 आकांक्षी जिलों और 34 जिलों के 100 आकांक्षी विकास खंडों में में तैनाती संतृप्त किए जाने की व्यवस्था की गई है।

स्थानांतरण सत्र के बाद सीएम की अनुमति अनिवार्य

स्थानांतरण सत्र के बाद समूह क व ख के तबादले विभागीय मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री के अनुमोदन से ही हो सकेंगे।

यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले नहीं होंगे समाप्त, होगी कानूनी कार्रवाई

यातायात नियमों का उल्लंघन करने समेत कई तरह के गैर शमनीय अपराध करने के बाद अब बचना नामुमकिन होगा। कैबिनेट ने इस बाबत सुप्रीम कोर्ट में लंबित रिट याचिका पर दिए गए आदेश का पालन करने के लिए उप्र आपराधिक विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) अध्यादेश लाने के गृह विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह अध्यादेश बीती 7 अप्रैल को भी कैबिनेट में मंजूर हुआ था हालांकि विधानसभा सत्र के दौरान पारित नहीं हो सका। इसकी वजह से इसे दोबारा कैबिनेट के सामने पेश करके सदन के पटल पर रखने की मंजूरी दी गई।

इसके तहत गैर शमनीय अपराध पूर्व की तरह उपशमित (समाप्त) नहीं होंगे। अध्यादेश में संशोधन के बाद जिन अपराधों में अनिवार्य कारावास का दंड है, वे अपराध जो प्रथम अपराध नहीं हैं, अर्थात वे बाद के अपराध है, वे पूर्व की भांति स्वतः समाप्त नहीं होंगे। खासकर यातायात नियमों के उल्लंघन के कुछ मामले स्वतः समाप्त नहीं होंगे। उदाहरण के लिए यदि वर्तमान में किसी व्यक्ति के द्वारा मोटर वाहन अधिनियम के तहत अपराध किया गया है और वह जुर्माना नहीं देता है तो एक समय बीतने के बाद कार्यवाही स्वतः समाप्त हो जाती है। अब उसे भी दंड का सामना करना होगा। साक्ष्यों के आधार पर उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इससे नियमों का उल्लंघन करने वालों के भीतर कानून का भय उत्पन्न होगा, जिससे अपराधों में कमी आएगी। बता दें कि उप्र आपराधिक विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) अध्यादेश, 2023 मजिस्ट्रेट के सामने लंबित छोटे आपराधिक मामलों को समाप्त करने का प्रावधान करता है। यह अदालती बोझ कम करने के लिए समझौता या शमन (कंपाउंडिंग) की अनुमति देता है। यह विभिन्न कानूनों जैसे मोटर वाहन एक्ट 1939, न्यूनतम वेतन एक्ट 1948, पुलिस एक्ट 1861, और दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत किए गए अपराधों पर लागू होता है।

बेसिक शिक्षा 360 डिग्री : सोच से क्रियान्वयन तक सेमिनार में शैक्षणिक उत्थान पर विमर्श

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सोमवार को श्बेसिक शिक्षा 360°डिग्री सोच से क्रियान्वयन तकश विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन ब्लाक रोड स्थित एक होटल के सभागार में किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति ज्योति त्रिपाठीए केतकी पांडेय शशि वर्मा अजीता भारती द्वारा दी गई।मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार की सराहना करते हुए कहा कि यह सेमिनार अपने उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से विकासखंड रुधौली के खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार के उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा की और कहा कि निरंतर बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों एवं शिक्षकों को जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सीएसएफए रूम टू रीड एवं एसआरजी के योगदान की भी सराहना करते हुये उन्होंने निर्देशित किया कि सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अंतर्गत आंकड़े सटीक होंए जिससे सुधार की दिशा स्पष्ट हो सके। विद्यालयों में समय.सारिणी का कड़ाई से पालनए छात्रों की प्रगति का नियमित अंकन तथा संदर्शिका के अनुसार शिक्षण कार्य सुनिश्चित किया जाए।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में विभिन्न जिला समन्वयकों द्वारा श्स्कूल चलो अभियानश्ए समावेशी शिक्षाए सामुदायिक सहभागिता एवं बालिका शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके साथ ही डिजिटल अटेंडेंसए मिशन संवादए गूगल फॉर्म एवं गूगल शीट जैसे तकनीकी उपकरणों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सीखने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहनी चाहिए और बेसिक शिक्षा को मिशन के रूप में लेकर कार्य करने से ही वास्तविक परिवर्तन संभव है।कार्यक्रम का संचालन एसआरजी आशीष श्रीवास्तव ने किया । सेमिनार की शुरुआत श्स्कूल चलो अभियानश सत्र से हुईए जिसका संचालन जिला समन्वयक बालिका शिक्षा सुनील त्रिपाठी ने किया। इसके पश्चात आइस ब्रेकिंग गतिविधि श्लाफ्टर चौलेंजश एवं ऊर्जा गीत के माध्यम से प्रतिभागियों में उत्साह का संचार किया गया।निपुण भारत मिशन पर आधारित सत्र जिला समन्वयक निपुण आलोक त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत किया गयाए जिसमें निपुण सेल से कृतज्ञ एवं आदित्य का सहयोग रहा। समावेशी शिक्षा सत्र का संचालन सुनील त्रिपाठी एवं डीसी आईईडी रितु पाण्डेय ने किया।

प्रदेश में स्थानांतरण नीति 2026-27 लागू, 31 मई तक होंगे तबादले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए नई स्थानांतरण नीति जारी कर दी है, जिसके तहत सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले 31 मई 2026 तक किए जाएंगे। नीति में पारदर्शिता, संतुलन और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए गए हैं।नई नीति के अनुसार समूह 'क' और समूह 'ख' के वे अधिकारी, जो किसी एक जनपद में 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके हैं, उनका स्थानांतरण अनिवार्य रूप से किया जाएगा। वहीं, जो अधिकारी किसी एक मंडल में 7 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हैं, उन्हें भी उस मंडल से स्थानांतरित किया जाएगा। हालांकि विभागाध्यक्ष और मंडलीय कार्यालयों में तैनाती की अवधि को इस गणना में शामिल नहीं किया जाएगा। मंडलीय कार्यालयों में अधिकतम तैनाती अवधि 3 वर्ष निर्धारित की गई है और यहां लंबे समय से तैनात अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाएगा।

बंगाल चुनाव रुझानों पर लखनऊ में भाजपा का जश्न, प्रदेश कार्यालय में ढोल-नगाड़ों पर थिरके कार्यकर्ता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पश्चिम बंगाल चुनाव के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में बढ़त की खबरों के बीच राजधानी लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं और नेताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य कर खुशी का इजहार किया और एक-दूसरे को बधाई दी।प्रदेश कार्यालय परिसर में उत्साह चरम पर रहा। महिला कार्यकर्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और ढोल-नगाड़ों पर जमकर नृत्य किया। इस दौरान आतिशबाजी कर जीत के रुझानों का स्वागत किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सव के रंग में नजर आया।जश्न में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी शामिल हुए। दोनों नेताओं

ने कार्यकर्ताओं के साथ पारंपरिक बंगाली व्यंजन 'झालमुड़ी' का स्वाद लिया और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने "जय भाजपा" और "मोदी है तो मुमकिन है" जैसे नारे लगाए।कार्यक्रम में एक युवक 'बुलडोजर मॉडल' लेकर पहुंचा, जिस पर "27 में फिर बुलडोजर" लिखा हुआ था। यह मॉडल कार्यकर्ताओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा और लोगों ने इसके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

कार्यकर्ताओं का कहना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और संगठन के रणनीतिकार सुनील बंसल की रणनीति का परिणाम ही है कि पार्टी को बंगाल में मजबूती मिल रही है।प्रदेश कार्यालय में देर तक जश्न का सिलसिला जारी रहा। कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और सभी ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पार्टी और मजबूत होकर उभरेगी।

सैरपुर में बंद कमरे से युवक का सड़ा-गला शव बरामद, 2-3 दिन पहले फंदे पर लटककर मौत की आशंका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के थाना सैरपुर क्षेत्र स्थित न्यू कॉलोनी तरहिया में उस समय सनसनी फैल गई, जब कई दिनों से बंद पड़े एक कमरे से तेज दुर्गंध आने पर एक युवक का शव बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो युवक का शव छत के पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। प्रारंभिक जांच में घटना 2 से 3 दिन पुरानी प्रतीत हो रही है।पुलिस के अनुसार दिनांक 03 मई 2026 को सायंकाल करीब 07:30 बजे निशा निवासी न्यू कॉलोनी तरहिया थाना सैरपुर ने थाने पर उपस्थित होकर एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने बताया कि वह 25 अप्रैल 2026 को अपने पुत्र राजू (उम्र लगभग 26 वर्ष) और पुत्री के साथ रिश्तेदारी में गई थीं। अगले दिन 26 अप्रैल को

उनका पुत्र अकेले घर वापस आ गया था और घर पर अकेला रह रहा था।

निशा ने बताया कि 26 अप्रैल की शाम को उनकी अपने पुत्र से मोबाइल फोन पर बातचीत हुई थी। इसके बाद भी संपर्क बना रहा और अंतिम बार 30 अप्रैल 2026 को उनकी बेटे से फोन पर बात हुई थी। इसके बाद अचानक संपर्क बंद हो गया। जब वह 03 मई को अपनी पुत्री के साथ घर लौटीं तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज लगाने और दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया गया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसी दौरान कमरे के भीतर से तेज दुर्गंध आने लगी, जिससे अनहोनी की आशंका प्रबल हो गई।घटना की सूचना तत्काल थाना सैरपुर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों व स्थानीय लोगों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया गया। अंदर का दृश्य देख सभी सन्न रह गए। युवक राजू का शव छत के पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर लटका हुआ था।पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल को सुरक्षित कराया और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण करते हुए आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। मौके पर शव से तेज दुर्गंध आ रही थी और वह विघटित अवस्था में पाया गया, जिससे स्पष्ट है कि घटना को 2 से 3 दिन का समय बीत चुका है।पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

मड़ियांव में जर्जर दीवार बनी मौत का कारण, वाहन का पहिया खोलते समय युवक दबकर मौत

लखनऊ। थाना मड़ियांव क्षेत्र के भरत नगर में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में जर्जर दीवार गिरने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक अपने मालिक की गाड़ी का पंचर बनवाने के दौरान पहिया खोल रहा था। अचानक पास की ईंट की दीवार भरभराकर गिर गई और युवक उसके नीचे दब गया।पुलिस के अनुसार दिनांक 04 मई 2026 को सुबह करीब 11:30 बजे थाना मड़ियांव पुलिस को सूचना मिली कि भरत नगर क्षेत्र में एक जर्जर दीवार गिरने से एक व्यक्ति दब गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे युवक को बाहर निकाला गया।घायल युवक को गंभीर अवस्था में तत्काल केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यूपी कैबिनेट के बड़े फैसले : किसानों को बढ़ी क्षतिपूर्ति, टेक्सटाइल पार्क

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार और विकास को गति देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को आगे बढ़ाया है। ऊर्जा, शिक्षा, न्यायिक व्यवस्था, पर्यावरण, उद्योग और प्रशासनिक सुधार से जुड़े इन निर्णयों का सीधा लाभ आम जनता, किसानों, युवाओं और कर्मचारियों को मिलने की उम्मीद है।ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा फैसला लेते हुए पावर ट्रांसमिशन परियोजनाओं में किसानों और भूस्वामियों को दी जाने वाली क्षतिपूर्ति को भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप करने का प्रस्ताव है। अब टावर बेस क्षेत्र के लिए 200 प्रतिशत तक मुआवजा दिया जाएगा, जबकि राइट ऑफ वे कॉरिडोर के 30 प्रतिशत क्षेत्रफल के लिए भी भूमि लागत के आधार पर भुगतान किया जाएगा। इससे पारेषण लाइनों से प्रभावित किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी।न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ खंडपीठ में कार्यरत लॉ क्लर्क (ट्रेनी) और रिसर्च एसोसिएट का कार्यकाल 2 वर्ष से बढ़ाकर अधिकतम 3 वर्ष करने का प्रस्ताव है। इससे न्यायमूर्तियों को विधिक शोध कार्य में अधिक दक्ष सहयोग मिल सकेगा और मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के तहत संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क योजना के अंतर्गत 10 टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जाएंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स की 4 बंद पड़ी मिलों की 251.805 एकड़ भूमि को हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित किया जाएगा। इससे निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है।शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में नेल्को नेटवर्क प्रोडक्ट लिमिटेड (टाटा एंटरप्राइजेज) के सहयोग से प्रदेश के 150 राजकीय विद्यालयों में DREAM स्किल लैब स्थापित करने का प्रस्ताव है। इन लैब्स के माध्यम से छात्रों को रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ते हुए रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाएगा।जल आपूर्ति से जुड़े एक अहम निर्णय में झांसी बबीना पेयजल योजना के तहत 17.65 करोड़ रुपये की बकाया राशि उ.प्र. जल निगम (नगरीय) को देने का प्रस्ताव है। यह धनराशि पंचायती राज विभाग के माध्यम से राज्य वित्त आयोग की निधि से समायोजित की जाएगी, जिससे संबंधित कर्मचारियों और पेंशनरों के भुगतान सुनिश्चित हो सकेंगे।

बंगाल, असम व पुडुचेरी में भाजपा की जीत पर प्रदेश नेतृत्व उत्साहित, 'मिशन 2027' को मिलेगी नई ऊर्जा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली सफलता पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बधाई देते हुए इसे विकास और सुशासन की राजनीति की जीत बताया है।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को इस सफलता का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि यह परिणाम देश में विश्वास, पारदर्शिता और विकास आधारित राजनीति की स्वीकार्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है और बंगाल में भय की राजनीति पर भरोसे की जीत हुई है।उन्होंने कहा कि असम में विकास की हैट्रिक यह साबित करती है कि जनता अब प्रदर्शन आधारित राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। पूर्वी भारत से उठी यह राजनीतिक लहर उत्तर प्रदेश के 'मिशन 2027' को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष जनता की सेवा में समर्पित रहते हैं और डबल इंजन सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।पंकज चौधरी ने बताया कि संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रदेश का दौरा किया जा रहा है और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का उत्साह बेहद सकारात्मक है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी समय में भाजपा और अधिक मजबूती के साथ जनता के बीच कार्य करेगी और 2027 में सुशासन की हैट्रिक हासिल करेगी।प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी इन चुनावी परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत राष्ट्रवाद और विकास के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा ने देशभर में जनसेवा और पारदर्शी शासन का जो मॉडल प्रस्तुत किया है, उसी के आधार पर जनता ने एक बार फिर पार्टी पर भरोसा जताया है।

अस्थमा से पीड़ित किसान थ्रेसर की धूल व गर्दा से दूर रहें : डॉ. सूर्यकान्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने बताया कि ''विश्व अस्थमा दिवस'' प्रति वर्ष मई माह के पहले मंगलवार को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में अस्थमा की बीमारी और उसकी देखभाल के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस वर्ष की थीम है - "अस्थमा से पीड़ित हर व्यक्ति के लिए सूजन-रोधी इन्हेलर की उपलब्धता - अब भी एक अत्यंत आवश्यक ज़रूरत"। यह आयोजन ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा (GINA) द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है। वर्ष 1998 में बार्सिलोना (स्पेन) में पहली बार 35 से अधिक देशों ने इसे मनाया था।

डॉ. सूर्यकान्त बताते हैं कि बदलते मौसम में तापमान में उतार-चढ़ाव और फूलों के परागकण बढ़ने से अस्थमा के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है। अस्थमा (दमा) एक आनुवांशिक रोग है, जिसमें श्वास नलिकाएँ अत्यधिक संवेदनशील हो जाती हैं। धूल, कागज़ की धूल, रसोई का धुआँ, नमी, मौसम परिवर्तन, सर्दी-जुकाम, धूम्रपान, फास्ट फूड, मानसिक तनाव, पालतू जानवर, परागकण तथा संक्रमण जैसे कारकों से नलिकाओं में सूजन उत्पन्न होती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है। डॉ. सूर्यकान्त ने बताया कि वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों में गेहूँ की कटाई थ्रेसर से व्यापक रूप से की जा रही है, जिसके कारण वातावरण में अत्यधिक धूल एवं भूसा (गर्दा) फैल जाता है। यह धूल श्वसन नलिकाओं में सूजन एवं सिकुड़न उत्पन्न कर सांस फूलने की समस्या को बढ़ा सकती है। ऐसे में आमजन विशेष रूप से अस्थमा एवं एलर्जी से ग्रसित व्यक्तियों को खेतों की ओर जाने से बचना चाहिए तथा भूसा एवं धूल के संपर्क से स्वयं को सुरक्षित रखना चाहिए। रोंयेदार कपड़ों एवं खिलौनों से दूरी बनाए रखें, घर में धूल न जमने दें, धूम्रपान से परहेज करें तथा इत्र या तीव्र सुगंधित पदार्थों के उपयोग से बचें। उन्होंने यह भी बताया कि मौसम परिवर्तन से 4-6 सप्ताह पूर्व ही सतर्कता बरतनी शुरू कर दें, विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह से नियमित दवाओं का सेवन करें, एलर्जन से बचाव रखें तथा सर्दी-जुकाम होने पर तुरंत उपचार कराएं। साथ ही घर को स्वच्छ, हवादार एवं पर्याप्त धूपयुक्त बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, जिससे श्वसन संबंधी रोगों से बचाव संभव हो सके।

डॉ. सूर्यकान्त के अनुसार, अस्थमा के मरीज सामान्यतः दो प्रकार के इन्हेलर का उपयोग करते हैं- एक सिकुड़न कम करने वाला (रिलीवर) और दूसरा सूजन कम करने वाला (कंट्रोलर)। सूजन-रोधी इन्हेलर का नियमित उपयोग अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि पहले सूजन होती है, उसके बाद ही सिकुड़न विकसित होती है। नियमित उपयोग से अस्थमा अटैक की संभावना काफी कम की जा सकती है। उन्होंने चिंता जताई कि भारत में अक्सर मरीज केवल रिलीवर इन्हेलर का अधिक उपयोग करते हैं, जबकि कंट्रोलर इन्हेलर की अनदेखी करते हैं। इससे गंभीर अटैक का खतरा बढ़ जाता है और कुछ मामलों में स्थिति जानलेवा भी हो सकती है।

ग्लोबल बर्डन ऑफ अस्थमा रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में लगभग 34 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित हैं, जबकि भारत में यह संख्या करीब 4 करोड़ है और उत्तर प्रदेश में लगभग 80 लाख लोग अस्थमा से पीड़ित हैं। वैश्विक स्तर पर मृत्यु दर लगभग 13 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह 43 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। लगभग दो-तिहाई मरीजों में यह बीमारी बचपन से शुरू होती है। अस्थमा के प्रमुख लक्षणों में रात में बढ़ने वाली खांसी, सांस फूलना, छाती में जकड़न, घरघराहट तथा सीटी जैसी आवाज शामिल हैं। इसका निदान लक्षणों, चिकित्सकीय परीक्षण तथा फेफड़ों की जांच (पीईएफआर, स्पाइरोमेट्री, इम्पल्स ऑस्सिलोमेट्री) से किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन्हेलर चिकित्सा सबसे प्रभावी है, क्योंकि दवा सीधे फेफड़ों तक पहुंचती है, कम मात्रा में असर करती है और दुष्प्रभाव भी कम होते हैं। रिलीवर इन्हेलर तुरंत राहत देते हैं, जबकि कंट्रोलर इन्हेलर सूजन कम कर दीर्घकालीन नियंत्रण प्रदान करते हैं। डॉ. सूर्यकान्त के अनुसार, अस्थमा पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते मरीज नियमित उपचार और सावधानियों का पालन करें तथा सूजन-रोधी इन्हेलर का सही उपयोग करें। उन्होंने ने सलाह दी कि बदलते मौसम में सावधानी बरतें, दवाएं नियमित लें और धूल-धुएं से बचें। प्राणायाम जैसे श्वास व्यायाम फेफड़ों को मजबूत बनाते हैं।

बगिया के विष्णु का विकास विज़न-सुशासन से जन-जन तक पहुंचती सरकार

छत्तीसगढ़ में बीते लगभग ढाई वर्षों में शासन की कार्यशैली को लेकर एक नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश दिखाई देती है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सुशासन को केवल एक नारा नहीं, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन का आधार बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सीमित समयावधि करीब 2 वर्ष 4 माह 17 दिन में ही सरकार ने विकास का जो खाका तैयार किया है, उसे भविष्य की बड़ी तस्वीर के रूप में देखा जा रहा है।

प्रदेश की पहचान 'धान का कटोरा' के रूप में रही है, लेकिन इस पहचान को सम्मान देने का काम हालिया नीतिगत निर्णयों में स्पष्ट दिखता है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर तय करना केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि अन्नदाताओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने की पहल भी है। इसके साथ ही, तेंदूपत्ता संग्राहकों जिन्हें 'हरा सोना' से जुड़ा श्रमिक वर्ग कहा जाता है, के लिए पारिश्रमिक दर को 5500 रुपये करना और चरण पादुका वितरण जैसे निर्णयों ने आदिवासी क्षेत्रों में राहत पहुंचाई है।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही लगभग 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति देना सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। बेघर और जरूरतमंद परिवारों को छत उपलब्ध कराना सुशासन की पहली सीढ़ी के रूप में देखा गया।राज्य सरकार ने 70 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि देने की पहल की। यह राशि भले सीमित लगे, लेकिन ग्रामीण और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह आर्थिक संबल का काम कर रही है। यह कदम महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों ने असर दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति और संकल्प के साथ 31 मार्च 2026 तक नक्सलमुक्ति का लक्ष्य एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। इससे विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

विष्णु देव साय सरकार ने युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग से जुड़े मामलों में जांच कराना सरकार के जवाबदेही वाले दृष्टिकोण को दर्शाता है। साथ ही, खेल गतिविधियों विशेषकर बस्तर व सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया है।

विगत वर्ष आयोजित 'सुशासन तिहार' को इस वर्ष भी 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य योजनाओं की जमीनी हकीकत को परखना, नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और प्रशासन को सीधे जनता से जोड़ना है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य के समन्वय को डबल इंजन सरकार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि इस समन्वय से विकास योजनाओं को गति मिली है और इसका लाभ प्रदेश के लगभग तीन करोड़ नागरिकों तक पहुंच रहा है।

'बगिया के विष्णु' के रूप में पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों ईब से इंद्रावती तक विकास का जो रोडमैप तैयार किया है, वह समावेशी विकास की अवधारणा को दर्शाता है। लक्ष्य स्पष्ट है, अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना।

छत्तीसगढ़ में सुशासन की यह यात्रा अभी प्रारंभिक चरण में है, लेकिन दिशा स्पष्ट दिखाई देती है। सरकार की प्राथमिकताओं में किसान, महिला, आदिवासी, युवा और ग्रामीण समाज केंद्र में हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये नीतियां किस तरह स्थायी बदलाव का रूप लेती हैं, लेकिन फिलहाल इतना तय है कि विकास की यह कहानी गति पकड़ चुकी है।

बीमारियों से बचने के लिए हाथों की स्वच्छता का रखें खास ख्याल

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस (05 मई) पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मी मरीजों की देखभाल से पहले और बाद में हाथों को सही तरीके से धोना कभी न भूलें,

संक्रामक बीमारियों से बचाव का सबसे सरल और कारगर तरीका हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से धोना है। स्वास्थ्य सेवाओं को भी संक्रमण से सुरक्षित बनाने के साथ ही मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया कराने के लिए हाथों को केवल धोना ही नहीं बल्कि सही तरीके से धोना बहुत जरूरी होता है। इसी तरह अपने साथ ही अपनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी हाथों को सही तरीके से धोना आवश्यक है। दिनभर में हम हाथों से कई तरह के जरूरी काम करते हैं और उस दौरान कई लोगों, सतहों और वस्तुओं के सीधे सम्पर्क में आते हैं। इससे गंदगी, रोगाणु, कीटाणु और बैक्टीरिया की गिरफ्त में आने की पूरी सम्भावना होती है। इसलिए साबुन-पानी से हाथों को सही तरीके से धोना बहुत जरूरी होता है।

अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मी मरीजों की देखभाल से पहले और बाद में हाथों को सही तरीके से धोना कभी न भूलें, क्योंकि वह अस्पताल में भर्ती मरीजों के देखभाल के दौरान संक्रमण के जोखिम से घिरे होते हैं। सही तरीके से हाथ धोने से सर्दी, फ्लू, दस्त व अन्य संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित बना जा सकता है। समुदाय के साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को जागरूक बनाने के लिए ही हर साल पांच मई को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। इस साल इस खास दिवस की थीम -जीवन बचाएं : अपने हाथ साफ़ करें, "कार्रवाई से जीवन बचता है" (एक्शन सेव्स लाइव्स) तय की गयी है। यह थीम हर किसी को स्वास्थ्य देखभाल में संक्रमण को रोकने, मरीजों को सुरक्षित बनाने और समुदाय के साथ स्वास्थ्य कर्मियों में जागरूकता फैलाने के बारे में प्रेरित करती है।

ज्ञात हो कि विश्व हाथ स्वच्छता दिवस की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वर्ष 2009 में "जीवन बचाओ-अपने हाथ साफ़ करो" स्लोगन के साथ किया था, तभी से यह हर साल पांच मई को हाथों की स्वच्छता के प्रति जन-जन में जागरूकता की अलख जगाने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यह भी है कि नियमित रूप से सही तरीके से हाथों को धोने से स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है। इसके साथ ही घरों, स्कूलों, कार्यस्थलों और स्वास्थ्य सुविधाओं में बीमारियों के फैलने के जोखिम को कम करना होता है।

हाथों को धोना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि सही तरीके से हाथों को धोना जरूरी होता है। इसके लिए सामुदायिक स्तर पर आज S U M A N K (सुमन-के) के बारे में लोगों खासकर बच्चों को सरल तरीके से समझाने की जरूरत है ताकि वह इन छह चरणों को अपनाकर हाथों की सही स्वच्छता के लिए सक्षम बन सकें। यह छह चरण हैं – S (एस) -साबुन-पानी से झाग बनाने के बाद पहले सीधी हथेलियों को बारी-बारी से घिसें, U(यू) - उल्टी तरफ हाथों को बारी-बारी से घिसें, M (एम)- मुट्ठी बंदकर हाथों को अच्छी तरह घिसें, A (ए)- अंगूठों को अच्छी तरह से रगड़ें, N (एन) - नाखूनों को अच्छी तरह से साफ़ करें, K (के)- कलाइयों को भी ठीक से रगड़ें। इस तरह इन छह चरणों को अपनाकर संक्रामक बीमारियों को मात दिया जा सकता है। इसकी आदत बचपन से ही विकसित की जाए तो आगे चलकर भी यह सदा के लिए बनी रहती है।

बच्चों की देखभाल से पहले, मरीजों की सेवा से पहले और बाद में, खाना बनाने या खाने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद, खांसने, छींकने या नाक साफ़ करने के बाद, कचरा उठाने या किसी गन्दी सतह को छूने के बाद, जानवरों या पालतू जानवरों को छूने के बाद हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से अवश्य धोएं। ध्यान रहे कि अगर हाथ दूषित हैं तो खाना बनाते समय, खाना खाते समय और चेहरे को छूते वक्त हानिकारक कीटाणु शरीर में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं और बीमारी को जन्म दे सकते हैं। इन जरूरी कार्यों से पहले साबुन-पानी से हाथों को धोने से कीटाणु का सफाया हो जाता है। गीले हाथों में बैक्टीरिया पनप सकते हैं, इसलिए हाथों को धोने के बाद साफ़-सुथरी तौलिये या ड्रायर से ही हाथों को सुखाएं।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

टिप्पणी

अधिकारों का सार्थक ढंग

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत में समस्या अधिकारों का अभाव नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारों का सार्थक ढंग से उपभोग किया जा सके। भारत की जमीनी हकीकत से परिचित लोग सहज ही इस राय से इस्तेफ़ाक रखेंगे।

अधिकारों पर जारी बहस के बीच प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने यह महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की है कि 'जिस अधिकार का व्यवहार में उपभोग ना किया जा सके, वह कागजी वायदे के ज्यादा कुछ नहीं है।' उन्होंने कहा कि भारत में समस्या अधिकारों का अभाव नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारों का सार्थक ढंग से उपयोग किया जा सके। भारत की जमीनी हकीकत से परिचित लोग सहज ही प्रधान न्यायाधीश की इस राय से इस्तेफ़ाक रखेंगे। बेशक, अपने देश में नागरिकों के लिए संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की लंबी सूची है। मगर ये कड़वी हकीकत है कि अधिकांश नागरिकों के लिए वे अधिकार ज्यादा मायने नहीं रखते।

मसलन, जिन नागरिकों को उपयुक्त शिक्षा-दीक्षा और ऐसी परिस्थितियां प्राप्त नहीं हुईं, जिनसे वे राजकाज एवं सार्वजनिक मुद्दों पर कुछ कहने योग्य विचार विकसित कर पाएं, उनके लिए अभिव्यक्ति की आजादी महज ऐसा गहना है, जिसे वे कभी पहन नहीं पाते। फिर आसपास भयमुक्त वातावरण ना हो, तो उनके इस अधिकार के लिए खतरा सिर्फ सरकार के फरमानों से नहीं, बल्कि स्थानीय सामाजिक- आर्थिक ढांचे से भी पैदा होता है। जस्टिस कांत ने भी कहा कि भौगोलिक स्थितियों, इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी कमियों और आर्थिक बाधाओं के कारण बड़ी संख्या में लोग अदालत और उन संस्थाओं के पास नहीं पहुंच पाते, जिनका मकसद उनके अधिकारों की रक्षा है।

सार यह कि अधिकारों का विमर्श तभी अपनी मंजिल तक पहुंचेगा, जब अधिकारों के उपभोग की परिस्थितियों को चर्चा में शामिल किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता, क्योंकि अधिकारों के हनन की सारी बहस सभ्रांत वर्ग के दायरे में सिमटी रहती है। संभवतः यही कारण है कि नागरिक अधिकारों पर हमले और संविधान बचाओ जैसी बातें आम जन मानस को नहीं छू पातीं। जो तबके ऐसे अधिकारों से वंचित हैं, उनमें वोट की ताकत उन हकों की रक्षा करने का जज्बा गायब रहता है। उलटे नकदी ट्रांसफर की योजनाएं उन्हें लुभा लेती हैं, क्योंकि उनसे भले ही सीमित, लेकिन वास्तविक फायदा उन्हें मिलता है। अतः जस्टिस कांत की टिप्पणियों को उनकी सही भावना में देखा जाना चाहिए। ऐसा करना अधिकारों को उनके असल संदर्भ में देखना होगा।

ब्लॉग

नए ज़िम्मेदार ऑनलाइन गेमिंग इकोसिस्टम का निर्माण

एस. कृष्णन

ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक राष्ट्रीय ढाँचा स्थापित करने की दिशा में भारत की पहल अवसर और जोखिम के संगम से उत्पन्न हुई है। बीते एक दशक में डिजिटल गेमिंग का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसे बड़े पैमाने पर स्मार्टफोन अपनाने, किफायती इंटरनेट कनेक्टिविटी और तकनीक का उपयोग करने और उस पर निर्भर रहने वाली युवा आबादी का समर्थन मिला है। इस विकास ने नवाचार, कौशल विकास, रचनात्मक उद्योगों और रोजगार सृजन के लिए सार्थक अवसरों का सृजन किया है । मनोविनोद के लिए गेमिंग और संगठित प्रतिस्पर्धी प्रारूपों ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता भी प्रदर्शित की है।

इन अवसरों के साथ-साथ, ऑनलाइन मनी गेमिंग—विशेष रूप से सट्टेबाजी और दांव लगाने वाले (यानी बेटिंग वेजरिंग) प्लेटफॉर्मों के अनियंत्रित विस्तार ने गंभीर सामाजिक और आर्थिक चिंताओं को भी जन्म दिया। ऐसे अनेक सेवा प्रदाता राज्य सीमाओं के पार या विदेशी क्षेत्रों से संचालित होते थे, जो घरेलू सुरक्षा उपायों को नज़रअंदाज़ करते थे और कानूनों को लागू करना कठिन बनाते थे। दबाव बनाने वाले विज्ञापनों और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करने वाले डिज़ाइन फीचर्स ने कमजोर उपयोगकर्ताओं में लत जैसी प्रवृत्तियों और वित्तीय नुकसान को बढ़ावा दिया। वित्तीय संकट, डिजिटल भुगतान प्रणालियों के दुरुपयोग और अस्पष्ट अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन की रिपोर्ट्स ने धोखाधड़ी, मनी लॉन्डिंग और वित्तीय अस्थिरता से जुड़े जोखिमों को उजागर किया। इन परिस्थितियों ने एक ऐसे राष्ट्रीय ढाँचे की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो व्यक्तियों—विशेषकर युवाओं—की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए गेमिंग इकोसिस्टम के वैध हिस्सों को जिम्मेदारी से विकसित होने में सक्षम बनाए। ऑनलाइन सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स नामक संगठित प्रतिस्पर्धी प्रारूपों जैसे वैध गेमिंग क्षेत्रों की सहायता के लिए एकीकृत संस्थागत ढाँचे का अभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण था। डेवलपर्स के पास श्रेणीकरण की ऐसी कोई प्रक्रिया नहीं थी, जिसका पहले से अनुमान लगाया जा सके और उपयोगकर्ताओं को अक्सर वैध मनोरंजन और अवैध सट्टेबाजी के बीच फर्क समझने में कठिनाई होती थी। अतः इसका उद्देश्य केवल हानिकारक गतिविधियों पर रोक लगाना नहीं, बल्कि एक संतुलित ढाँचा भी स्थापित करना था, जो उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे और जिम्मेदार नवाचार को भी संभव बनाए।

ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन अधिनियम, 2025, (पीआरओजीए) इसी संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसे डेवलपर्स, ई-स्पोर्ट्स संगठनों, कानूनी विशेषज्ञों, प्रौद्योगिकी पेशेवरों और सामाजिक संगठनों के हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं में लगातार पारदर्शी श्रेणीकरण, पूर्वानुमेय अनुपालन दायित्वों और वैध प्रारूपों के लिए व्यवस्थित व सरल मान्यता प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर जोर दिया गया। हितधारकों ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई मजबूत करते हुए वैध मनोरंजक और प्रतिस्पर्धी गेमिंग को बढ़ावा देने का समर्थन किया।

संचालन स्तर पर, यह ढाँचा परस्पर संबद्ध तीन चरणों—अवधारण, मान्यता और पंजीकरण—पर आधारित एक व्यवस्थित श्रृंखला प्रस्तुत करता है। ये चरण क्रमिक रूप से कार्य करते हैं और इन्हें पीआरओजीए तथा उसके नियमों में दी गई वैधानिक परिभाषाओं के साथ समझना आवश्यक है। अवधारण एक नियामक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है, जिसके माध्यम से किसी भी गेम की जांच और उसका श्रेणीकरण किया जाता है। यह प्रत्येक ऑनलाइन गेम के लिए अनिवार्य नहीं है, बल्कि केवल सीमित और निर्धारित परिस्थितियों में ही आवश्यक होता है। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि ई-स्पोर्ट्स की मान्यता से पहले अवधारण अनिवार्य होता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिस्पर्धी प्रारूप वैधानिक सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं और सट्टेबाजी के तत्वों से मुक्त रहते हैं। इसके अलावा, अवधारण आमतौर पर उन स्थितियों में आवश्यक होता है, जब किसी गेम के ऑनलाइन मनी गेमिंग की परिभाषा के दायरे में आने की आशंका हो, जब अधिसूचित ऑनलाइन सोशल गेम्स की श्रेणियों के लिए श्रेणीकरण जरूरी हो, जब शिकायतों या खुफिया सूचनाओं से प्रतिबंधित गतिविधियों को सक्षम करने वाले संभावित वित्तीय तत्वों का संकेत मिले, या जब भारतीय ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण (ओजीएआई) जनहित में जांच का निर्देश दे। अवधारण प्रारंभिक श्रेणीकरण को संभव बनाकर, अवैध वित्तीय मॉडलों को गेमिंग इकोसिस्टम में प्रवेश करने से रोकता है, जबकि वैध प्रारूपों को नियामक स्पष्टता के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देता है।

अवधारण के बाद, पात्र प्रारूपों को मान्यता दी जा सकती है। ई-स्पोर्ट्स की मान्यता राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 के अंतर्गत विनियमित होती है, जिसमें संगठित मल्टीप्लेयर गेमप्ले, पूर्व-निर्धारित प्रतिस्पर्धात्मक नियम और परिणाम केवल मानसिक कौशल, शारीरिक दक्षता या रणनीतिक निर्णय लेने जैसे कारकों पर आधारित होना आवश्यक है। प्रतिभागिता शुल्क की अनुमति केवल प्रतियोगिता से संबंधित प्रशासनिक खर्चों और प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार संरचनाओं को समर्थन देने के लिए ही दी जा सकती है। हालांकि, किसी भी रूप में सट्टेबाजी या दांव लगाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहता है। मान्यता से पहले अनिवार्य अवधारण यह सुनिश्चित करता है कि मान्यता प्राप्त ई-स्पोर्ट्स प्रारूप सभी वैधानिक सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं। इसके समानांतर, यह ढाँचा ऑनलाइन सोशल गेम्स के पंजीकरण के लिए एक मार्ग स्थापित करता है, जो वित्तीय सट्टेबाजी के लिए नहीं, बल्कि मुख्यतः मनोरंजन और सामाजिक सहभागिता के उद्देश्य से बनाए गए होते हैं। ऑनलाइन सोशल गेम्स की केवल उन्हीं श्रेणियों का ही पंजीकरण करने की आवश्यकता होगी, जिन्हें सरकार द्वारा विशेष रूप से अधिसूचित किया गया हो। जहाँ श्रेणीकरण की निश्चितता होना आवश्यक है, वहाँ पंजीकरण से पहले अवधारण किया जा सकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें सट्टेबाजी के तत्व मौजूद नहीं हैं। इस श्रृंखला का अंतिम चरण पंजीकरण है, जो नियामक दृश्यता प्रदान करता है तथा संतुलित निगरानी और लागू की जा सकने वाली जवाबदेही सुनिश्चित करता है। पंजीकरण आमतौर पर ई-स्पोर्ट्स की मान्यता के बाद होता है या फिर ऑनलाइन सोशल गेम्स की अधिसूचित श्रेणियों पर लागू होता है। यह उन मामलों में भी निर्देशित किया जा सकता है, जहाँ निर्धारण के परिणाम औपचारिक निगरानी की आवश्यकता दर्शाते हैं या जहाँ ओजीएआई जनहित में ऐसी निगरानी को आवश्यक समझता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पंजीकरण पूरे प्लेटफॉर्म पर नहीं ,बल्कि प्रत्येक ऑनलाइन गेम सेवा प्रदाता के अलग-अलग खेलों पर लागू होता है, जिससे अनुपालन यथोचित बना रहता है और साथ ही प्राधिकरणों को अधिकृत खेलों का एक विश्वसनीय रिकॉर्ड बनाए रखने में सहायता मिलती है।

यह वर्तमान ढाँचा प्रतिक्रियात्मक प्रवर्तन से आगे बढ़कर सक्रिय और निवारक शासन की ओर परिवर्तन दर्शाता है। अनुकूल अवधारण प्रारंभिक फिल्टर के रूप में कार्य करता है, मान्यता वैधता का स्पष्ट फर्क स्थापित करती है, और पंजीकरण नियामक दृश्यता प्रदान करते हुए सही निगरानी और लागू की जा सकने वाली जवाबदेही सुनिश्चित करता है। साथ ही, अवैध ऑनलाइन मनी गेमिंग के खिलाफ कार्यान्वयन को, विशेष रूप से विदेशी ऑपरेटरों को लक्षित करते हुए समन्वित ब्लॉकिंग, जांच-आधारित ओजीएआई की कार्रवाई और वित्तीय व्यवधान के उपायों के माध्यम से मजबूत किया गया है। यह दो-स्तरीय दृष्टिकोण ढाँचे की मूल विचारधाराः वैध संस्थाओं के लिए हल्के फुल्के नियमन तथा अवैध संचालकों के खिलाफ सख्त कार्यान्वयन को प्रतिबिंबित करता है।

कार्यान्वयन के अलावा, यह ढाँचा जिम्मेदार इकोसिस्टम के विकास के लिए भी अनुकूल परिस्थितियाँ तैयार करता है। स्पष्ट नियामक मार्ग वैध गेमिंग के विकास, प्रतिस्पर्धी अवसंरचना और सहायक डिजिटल सेवाओं में निवेश को प्रोत्साहित करते हैं। ई-स्पोर्ट्स की मान्यता संगठित प्रतियोगिताओं और पेशेवर भागीदारी को सक्षम बनाती है, जबकि विनियमित श्रेणियाँ विकास, अनुपालन, साइबर सुरक्षा और इवेंट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों में सहायता देती हैं।

पीआरओजीए के माध्यम से शुरू किया गया यह परिवर्तन बिखरी हुई प्रतिक्रियाओं से आगे बढ़कर पूर्वानुमेय शासन की ओर बदलाव को दर्शाता है। निवारक श्रेणीकरण, वैध मान्यता और जवाबदेह पंजीकरण को एक साथ जोड़कर यह ढाँचा एक स्थिर वातावरण तैयार करता है, जहाँ नवाचार जनहित की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए जिम्मेदारी के साथ विकसित हो सकता है।

(लेखक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव हैं।)

जालौन में भीषण सड़क हादसा, छह की मौत; चार गंभीर रूप से घायल

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। जालौन जनपद के कालपी कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जोल्हुपुर मोड़ के पास हुआ, जहां अयोध्या से उरई लौट रही एक कार चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन से जा भिड़ी।

मिली जानकारी के अनुसार, ललितपुर जनपद के महरौनी निवासी शशिकांत तिवारी अपने परिजनों के साथ अयोध्या दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग कार से वापस लौट रहे थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जैसे ही उनकी कार कालपी क्षेत्र के जोल्हुपुर मोड़ के पास पहुंची, चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सामने चल रहे वाहन से टकरा गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कुछ घायल करीब एक घंटे तक कार के केबिन में फंसे रहे, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया।

हादसे के बाद मची चीख-पुकार

कार में कुल 10 लोग सवार थे, जिनमें शशिकांत तिवारी, कृष्णकांत, दीपक तिवारी, हरिमोहन तिवारी, भूषण तिवारी, अंशुल तिवारी, स्वामी प्रसाद तिवारी, मनोज और देशराज शामिल बताए जा रहे हैं। सभी एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कालपी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

10 मिनट तक मेडिकल कॉलेज के बाहर तड़पते रहे मरीज

घायलों को लेकर एम्बुलेंस मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी के बाहर पहुंची, लेकिन मरीज को उतारने के लिए वहां पर कोई भी वार्ड बॉय नहीं नहीं था। हालत यह रही कि मरीज 10 मिनट तक एंबुलेंस में ही तड़पते रहे इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह मरीजों को बाहर निकाला और इमरजेंसी के अंदर पहुंचा जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

अंबेडकर नगर में भीषण हादसा : दो बाइकों की भिड़ंत के बाद मदद करने पहुंचे लोगों को कार ने कुचला, आठ की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर के पास देर रात करीब 12:00 बजे दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार लोग घायल हो गए।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग उनकी मदद करने के लिए पहुंचे। जिनमें लालचंद्र पुत्र फेंकू निवासी पट्टी मुइथन जलालपुर, उत्तम पुत्र जगतपाल निवासी सेमरा कटका, कैफी पुत्र हसन मोहसिन निवासी लोरपुर ताजन, राजू पुत्र छेदीलाल निवासी सिकंदरपुर सम्मनपुर सहित सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी आदित्य व दिव्यांशु दोनों सगे भाइयों की भी घटना में मौत हो गई। यह दोनों भाई एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जलालपुर गए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया।

तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर गाड़ी ने वहां मौजूद लोगों को टक्कर मार दी और गड्ढे में जाकर पलट गई थी। पिता मायाराम का हादसे के बाद से बुरा हाल है। वहीं अभी दो अन्य शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ जयवीर सिंह ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। अज्ञात शवों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

हादसे में कटका के सेमरा निवासी उत्तम, सम्मनपुर के जैना निवासी आदित्य (25), इसी गांव के छोटू उर्फ दिव्यांश (14), सम्मनपुर के सिकंदरपुर निवासी राजू गुप्ता (32), जलालपुर के पट्टी मोईन निवासी लालचंद (24), सैदापुर निवासी कैफे (32) आठ लोगों की मौत हो गई।

प्रदूषण बोर्ड के अध्यक्ष ने सीडा का किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अध्यक्ष, उ० प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह द्वारा औद्योगिक क्षेत्र, सीडा, सतहरिया का निरीक्षण करते हुए सीबीडब्ल्यूटी०एफ० मेसर्स आरएसबीएम डब्लयू तथा मेसर्स हॉकिन्स प्रा० लि० का निरीक्षण भी किया गया।

सीबीडब्ल्यूटीएफ कीसमुचित लॉगबुक मेन्टेन न किये जाने तथा पृथक से इसके के संचालन हेतु एकाकी विद्युत मीटर स्थापित न होने के दृष्टिगत पर्यावरणीय अधिनियमों का उल्लंघन बताते हुए समुचित निर्देश जारी किये जाने हेतु क्षेत्रीय अधिकारी को निर्देशित किया गया। मेसर्स हॉकिन्स प्रा० लि० प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि हॉकिन्स उद्योग का कुल क्षेत्रफल 22 हजार वर्गमीटर है तथा निर्माण लगभग 8 हजार वर्गमीटर में किया गया है। अध्यक्ष महोदय द्वारा उद्योग में प्लांटेशन के क्षेत्रफल की जानकारी चाही गई। तत्कम में वरिष्ठ महा प्रबन्धक श्री सौरभ एवं वरिष्ठ प्रबन्धक चिन्मय द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। तत्क्रम में अध्यक्ष द्वारा मेसर्स हॉकिन्स द्वारा रोपित किये वृक्षारोपड़ का राज्य बोर्ड द्वारा जारी की गई सहमति की वृक्षारोपड़ की शर्त 33 प्रतिशत के सत्यापन हेतु ऑडिट किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

भ्रमण के उपरांत अध्यक्ष द्वारा इंडियन इंडसट्रियल एसोसिएशन, सतहरिया, एवं ईंट भट्ठा निर्माता संघ, के साथ बैठक कर औद्योगिक इकाईयों द्वारा अधिक से अधिक वृक्षारोपड़ किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा अपील की गई कि किसी भी एनजीओ को संयुक्त रूप से अनुबंधित कर औद्योगिक क्षेत्र में वृक्षारोपड़ का कार्य प्रमुखता से किया जाये। इस अवसर पर निर्देशित किया गया कि प्रत्येक औद्योगिक इकाई के भू-भाग के क्षेत्रफल के 33 प्रतिशत भू-भाग पर वृक्षारोपड़ किया जाना सहमति शर्तों के अन्तर्गत प्राविधानित है। अतः औद्योगिक इकाईयों को सी०एस०आर० के मद से वृक्षारोपड़ का कार्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

यू०पी०सीडा के सहायक अभियन्ता को रोड साईड की खाली जमीन में प्लानटेशन कराये जाने हेतु सम्बंधित इण्डस्ट्री की जिम्मेदारी तय करते हुए निर्देशित किया गया। क्षेत्रीय अधिकारी, उ० प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वाराणसी, रोहित सिंह, सीडा, सतहरियों, के सहायक अभियन्ता, सादिक, इंडियन इंडसट्रियल एसोसिएशन, सतहरिया, के अध्यक्ष बृजेश यादव एवं ईंट भट्टा निर्माता संघ, जौनपुर के अध्यक्ष अरूण कुमार सिंह, सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र के लगभग 50 उद्योग प्रतिनिधि, जनपद-जौनपुर के ईट भट्टा प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहें।

बदायूं में 200 रुपये के विवाद को लेकर लोहे की चेन और ताले से हमला कर दोस्त की हत्या, दो गिरफ्तार, एक फरार

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं शहर के घनी आबादी वाले कबूलपुरा क्षेत्र की आजाद वाली गली में रविवार देर रात करीब दस बजे को महज 200 रुपये के लेन-देन को लेकर हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। आपसी दोस्ती और भरोसे के रिश्ते को तार-तार करते हुए युवकों ने अपने ही साथी की बेरहमी से हत्या कर दी। लोहे की चेन और ताले से हमला करके उसे मार डाल। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। वारदात के बाद एसपी सिटी, सीओ सिटी ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मृतक की पहचान सदर कोतवाली के लड्डन की टाल मोहल्ला चौधरी सराय निवासी शाहिद पुत्र अरशद (28) के रूप हुई। यह पेशे से पेंटर था और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि शाहिद और आरोपी युवक दो सगे भाई नईम, वासिफ और फजल निवासी रमजानपुर थाना कादरचौक व हाल निवासी मोहल्ला चौधरी सराय आपस में परिचित ही नहीं बल्कि साथ काम करने वाले दोस्त भी थे। सभी लोग बरेली में कपड़ों का काम करते थे और अक्सर साथ उठते-बैठते थे।

उधारी के पैसों को लेकर बढ़ा विवाद

पुलिस के अनुसार शाहिद ने कुछ समय पहले अपने साथियों से 500 रुपये उधार लिए थे, जिनमें से वह 300 रुपये लौटा चुका था। बकाया 200 रुपये की मांग को लेकर रविवार को नईम, वासिफ और फजल कबूलपुरा के पास पहुंचे। शुरुआत में सामान्य बातचीत हुई, लेकिन देखते ही देखते माहौल गरमा गया और कहासुनी गाली-गलौज में बदल गई।

चेन में बंधे ताले से किया जानलेवा हमला, सीने में अंदर तक धंसा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद के दौरान मौके पर पड़ी लोहे की चेन में बंधा भारी ताला उठाकर आरोपियों ने शाहिद पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। एक जोरदार वार उसके सीने और गले के पास लगा, जो इतनी ताकत से किया गया कि ताला शरीर में अंदर तक धंस गया। गंभीर चोट लगते ही शाहिद लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया।

वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजन और स्थानीय लोग आनन-फानन में घायल शाहिद को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

दो आरोपी गिरफ्तार, तीसरे की तलाश में दबिश

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी नईम और वासिफ को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। जबकि तीसरा आरोपी फजल फरार है, जिसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को जायेगी।

पश्चिम बंगाल और असम में जीत पर मनाया जशन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पांडुचेरी एवं केरला में विधानसभा चुनाव में दर्ज जीत पर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पटाखा फोड़कर जशन मनाया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।खेल और युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पांडुचेरी एवं केरला के विधानसभा चुनाव में आए नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश की जनता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकासवाद की राजनीति पर अटूट विश्वास है। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त कर 15 वर्षों के कुशासन को समाप्त किया है और असम में विकास की हैट्रिक लगाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज का दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है। पश्चिम बंगाल की जनता ने हिंसा और तुष्टिकरण की राजनीति को नकार कर सोनार बांग्ला के संकल्प को चुना है। असम में सुशासन की निरंतरता पर जनता ने मुहर लगाई है। तमिलनाडु और केरल में हमारा बढ़ता जनाधार और पांडुचेरी में एनडीए की निर्णायक बढ़त दर्शाती है कि दक्षिण भारत में भी भाजपा अब एक सशक्त और अनिवार्य शक्ति बन चुकी है यह जीत कार्यकर्ताओं के कठोर परिश्रम और प्रधानमंत्री मोदी जी की जनकल्याणकारी नीतियों को समर्पित है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने कहा कि यह विजय हर उस कार्यकर्ता की मेहनत का परिणाम है, जिसने बिना रुके, बिना थके पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाया ।

गोरखपुर में पीएसी कांस्टेबल की निकलने वाली थी बारात... तभी पुलिस लेकर पहुंच गई प्रेमिका, हंगामा

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। छपिया गांव में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक की बारात निकलने से पहले उसकी कथित प्रेमिका पुलिस लेकर घर पहुंच गई। युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर दो साल तक शोषण करने का आरोप लगाया। हंगामे के बीच दूल्हा मौके से फरार हो गया और बारात रुक गई। घटना जिले के खजनी थाना क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि गांव निवासी राम भागवत यादव का बेटा विपिन यादव पीएसी में कांस्टेबल है। करीब दो वर्ष पहले उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद उसकी पहचान लखनऊ में बिजली विभाग में संविदा पर काम करने वाली एक युवती से हुई। युवती मूल रूप से आजमगढ़ की रहने वाली बताई जा रही है।

शादी का दिया झांसा, दो साल तक किया शोषण

युवती का आरोप है कि विपिन यादव ने उससे शादी का वादा किया था और पिछले दो वर्षों से उसका शोषण करता रहा। अब वह उसे छोड़कर पीपीगंज क्षेत्र की एक युवती से शादी करने जा रहा था। रविवार को विपिन यादव की बारात निकलने की तैयारी चल रही थी और परछावन की रस्म चल रही थी। इसी दौरान युवती पुलिस लेकर उसके घर पहुंच गई।

प्रेमिका ने मौके पर जमकर हंगामा किया और आरोप लगाया कि युवक ने उसे धोखा दिया है। अचानक हुए इस घटनाक्रम से शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। इसी बीच आरोपी युवक मौका देखकर फरार हो गया।

पहले से दर्ज है मामला

मामले को लेकर खजनी थाना प्रभारी जयंत कुमार ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ पहले से ही लखनऊ के गोमतीनगर थाने में मामला दर्ज है। उसी मामले में कार्रवाई के लिए लखनऊ पुलिस की टीम खजनी पहुंची थी। खजनी पुलिस के सहयोग से आरोपी के घर दबिश दी गई, लेकिन वह मौके से भाग निकला। पुलिस के अनुसार, घर पर परिवार का कोई जिम्मेदार सदस्य भी नहीं मिला। आरोपी की तलाश की जा रही है। इस घटना की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है।

सीवर कार्य से सड़कों की हालत बदहाल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। शहर में चल रहे सीवर पाइपलाइन बिछाने के कार्य ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। शहर की अधिकांश मुख्य सड़कें और गलियां खुदाई के कारण क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिससे लोगों को रोजाना आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कई जगहों पर मरम्मत के बाद भी सड़कें धंस जा रही हैं और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। नागरिकों का कहना है कि सड़कें पैचिंग के बाद भी टिकाऊ नहीं रह पा रही हैं। आए दिन राहगीर, बाइक सवार और बुजुर्ग इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। खासकर बारिश या पानी भराव के दौरान स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, जब गड्ढे दिखाई नहीं देते।नगर के कई प्रमुख मार्गों के साथ-साथ मोहल्लों की गलियां भी इस समस्या से अछूती नहीं हैं। जहां पहले सीमेंटेड सड़कों पर लोगों को सहूलियत थी, वहीं अब सीवर लाइन डालने के बाद वे भी टूट-फूट का शिकार हो गई हैं। कई स्थानों पर निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे समस्या और बढ़ गई है।बताया जा रहा है कि इस मुद्दे को लेकर पत्रकारों और स्थानीय लोगों द्वारा प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा से भी कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। प्रशासन की ओर से काम की गुणवत्ता और निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। शहरवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़कों की समुचित मरम्मत और निर्माण कार्य को व्यवस्थित नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं।

सामूहिक हत्याकांड : घर में न मिले महिला के कपड़े, फोन भी था फॉरमैट, मां और 4 बच्चों के कत्ल में नया मोड़

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद मोहल्ले में शनिवार को हुई चार बच्चों की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। रविवार शाम बच्चों की मां गासिया खातून का शव घर से करीब 100 मीटर दूर नाले में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पहले महिला को ही बच्चों की हत्या का आरोपी माना जा रहा था, लेकिन अब उसकी मौत के बाद मामला उलझ गया है। जानकारी के मुताबिक, उसके सिर पर किसी तेज हथियार से चोट के निशान मिले हैं। मायकेवालों ने भी हत्या की आशंका जताई है।

शनिवार को सऊदी अरब में काम करने वाले नियाज के चार बच्चों के सिर पर वार कर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से मां लापता थी। रविवार को बच्चों के सुपुर्द-ए-खाक होने के कुछ ही घंटों बाद शाम करीब पांच बजे घर से लगभग 100 मीटर दूर नाले में गासिया का शव मिला। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

वहीं, इससे पहले, मामले की जांच में पुलिस को गासिया खातून के घर से उसके कपड़े गायब मिले थे। घटना के बाद पुलिस ने जब पूरे घर की छानबीन की तो यह खुलासा हुआ। महिला के मोबाइल फोन को भी फॉरमैट किया गया था और बेटे शफीक के मोबाइल से सिर्फ परिवार के लोगों के ही फोटो और वीडियो मिले हैं।

घर में रखी अलमारी के लॉकर से करीब पांच हजार रुपये मिले हैं, लेकिन जेवर थे या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इन सवालों का जवाब ढूंढने के लिए पुलिस नियाज को वापस बुलाने की तैयारी में है। इसी बीच मीरानपुर से एक युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया। माना जा रहा है कि इस युवक को मृतका गासिया खातून के परिवार से कुछ संपर्क है।

शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान (8) उर्फ सादिया की हत्या के खुलासे में लगी टीमें हर पहलू को खंगाल ही रही थीं। इसी बीच घर के एक कमरे में ताला लगा मिला था। पुलिस ने परिवार के लोगों की मौजूदगी में कमरे का ताला तुड़वाया, जिसमें एक अलमारी रखी हुई थी।

घर से गायब थे महिला के कपड़े

अलमारी को खोलकर देखा गया तो उसमें सिर्फ बच्चों के ही कपड़े थे। महिला के कपड़े घर से गायब थे। लॉकर में 100-200 रुपये के नोट रखे हुए थे जिन्हें सील कर कब्जे में ले लिया गया है। हालांकि यहां एक भी कोई जेवर नहीं मिला। घर के अन्य हिस्सों की तलाश में भी महिला के कपड़े नहीं मिले।

महिला का मोबाइल पूरी तरह से किया गया था फॉरमैट

घर से मिले दो मोबाइल की भी पुलिस ने जांच-पड़ताल कराई है। इसमें महिला का मोबाइल पूरी तरह से फॉरमैट किया गया था, जबकि पुत्र शफीक के मोबाइल सेट में परिवार के सदस्यों के फोटो-वीडियो मिले हैं। जिस स्थान पर इस नाले में गासिया का शव मिला है, वहां पर कपड़े व अन्य कोई सामान बरामद नहीं हुआ है।

गासिया का शव मिलने के बाद आशंका है कि पहले बच्चों को बेहोश किया गया, फिर महिला के शव को ठिकाने लगाया गया। पूरा आरोप महिला पर आ जाए, इसके लिए घर को अंदर से लॉक कर दिया गया। साथ ही महिला के कपड़े भी गायब कर दिए गए।

पुलिस ने शनिवार की रात एक संदिग्ध को कुछ साक्ष्यों के आधार पर हिरासत में लिया है। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में कई अन्य बातें भी सामने आई हैं।

एक साल पहले उमराह पर गए थे, एक माह रहे थे साथ

परिवार के लोग बताते हैं कि नियाज का तीन वर्ष पहले पाकिस्तानी महिला से निकाह होने के बाद वर्ष 2025 में ईद के समय गासिया खातून और चारों बच्चे उमराह करने के लिए सऊदी अरब गए थे। यहां इन पांचों लोगों ने नियाज के साथ उमराह किया था। इसके बाद पाकिस्तानी पत्नी के साथ एक ही घर में करीब एक माह तक सभी लोग साथ रहे थे।

होनहार थे चारों बच्चे

डिवाइन पब्लिक स्कूल बरधा भिउरा अकबरपुर में मो। शफीक इस बार कक्षा सात में गया था। उसने कक्षा छह में क्लास में दूसरी पोजीशन हासिल की थी। छोटा भाई सऊद इस बार कक्षा चार, उमर कक्षा तीन और बयान उर्फ सादिया एलकेजी में गई थी। विद्यालय प्रबंध तंत्र के मुताबिक, चारों छात्र पढ़ाई में होनहार थे। वहीं, उनकी मां गासिया खातून स्कूल में होने वाले पैरेंट्स मीटिंग के साथ ही सभी कार्यक्रमों में बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए आती थीं। इनकी साल भर की फीस भी एक साथ ही जमा हो जाती थी। बच्चे बस से ही स्कूल आते-जाते थे।

घर में मिले थे चार बच्चों के शव

अकबरपुर स्थित घर में चार बच्चों के शव मिले थे। शनिवार दोपहर चारों बच्चों की हत्या की जानकारी हुई। पुलिस पहुंची तो घर अंदर से बंद मिला। पहली मंजिल के रास्ते घर में दाखिल होकर कमरे में पहुंची तो चार बच्चों के शव पड़े मिले।

क्या था पूरा मामला?

मीरानपुर मुरादाबाद मोहल्ले के निवासी नियाज, जो सऊदी अरब में नौकरी करते हैं, उनके चार मासूम बच्चों शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान उर्फ सादिया (8) की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। बच्चों के सिर पर किसी भारी वस्तु से ताबड़तोड़ प्रहार किए गए थे।

जांच में आया बड़ा मोड़

इस हत्याकांड ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब शुरूआती जांच में पुलिस और स्थानीय लोगों को हत्या का शक बच्चों की मां गासिया खातून पर हुआ, क्योंकि घटना के बाद से ही वह लापता थीं। कयास लगाए जा रहे थे कि मां ने ही इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गई।

हालांकि, रविवार शाम को स्थिति पूरी तरह बदल गई जब गासिया खातून का शव भी एक नाले से बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने अपनी तफ्तीश की दिशा बदली और आरोपी आमिर की तलाश तेज की, जिसका अंत सोमवार सुबह एनकाउंटर के रूप में हुआ। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस सामूहिक हत्याकांड के पीछे आमिर का क्या मकसद था।

बच्चा बार-बार हो जाता है बीमार, जाने-अनजाने की गई ये गलतियां हैं वजह

बच्चों का बदलते मौसम में बीमार होना नॉर्मल होता है, लेकिन अगर बार-बार ऐसा हो रहा है तो कुछ ऐसी गलतियां हैं जो पेरेंट्स जाने-अनजाने करते हैं, जिससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इससे वह बहुत जल्दी संक्रमण के शिकार हो जाते हैं, जिससे बीमार पड़ने लगते हैं।

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे हेल्दी रहें और इसके लिए वह हर कोशिश करते हैं। हालांकि ये आसान नहीं होता है। बच्चों की देखभाल एक मुश्किल टास्क है जिसे पूरी डेडिकेशन के साथ निभाना पड़ता है। बच्चों का बार-बार बीमार होना ज्यादातर बदलते मौसम में देखा जाता है, लेकिन अक्सर अगर ये समस्या बनी रहे तो इससे बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर भी बुरा असर होता है। ऐसे में सिर्फ डॉक्टर के पास जाना सॉल्यूशन नहीं होता है, बल्कि ये जानना जरूरी है कि बच्चा बीमार हो क्यों रहा है। पेरेंट्स से जाने-अनजाने की गई कुछ गलतियों की वजह से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है और इससे वह बार-बार बीमार होने की लगते हैं।

बच्चे को बहुत जल्दी जुकाम-खांसी हो जाना डाइजेशन सही न रहना, जैसी चीजें न सिर्फ माता-पिता के लिए परेशानी की वजह होती है बल्कि ये बच्चे के विकास के लिए भी सही नहीं है। इसके पीछे हाइजीन में कमी भी हो सकती है। चलिए एक्सपर्ट से जान लेते हैं कि वो कौन सी गलतियां हैं जो आपके बच्चे को बार-बार बीमार बना सकती हैं।

समय पर वैक्सीन न लगवाना

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉक्टर डीके गुप्ता का कहना है कि बच्चा अगर रिकरंट इंफेक्शन से बीमार हो रहा है तो इसमें कहीं न कहीं माता-पिता भी जिम्मेदार हैं। बच्चों में बड़ो की तरह ही रीकरंट इंफेक्शन से बचाने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता सही होना जरूरी होता है। इसे बढ़ाने के दो तरीके हैं एक तो नेचुरली इसे इंप्रूव किया जाए और दूसरा है वैक्सीनेशन। बहुत सारे माता-पिता बच्चों को वैक्सीन नहीं लगवाते हैं या फिर सही समय पर पूरी वैक्सीन नहीं लगवाते हैं, इससे उनमें एंटीबॉडी डेवलप नहीं हो पाती है।

डाइट को सही न रखना

एक्सपर्ट कहते हैं कि आजकल बच्चों को जंक और प्रोसेस्ड फूड खिलाया जा रहा है। इसका रीजन ये हैं कि बच्चे अपने माता-पिता को कॉपी करते हैं और उन्हें रोल मॉडल मानते हैं। ऐसे में कहीं न कहीं घर में जो में खानपान का कल्चर होता है उसे ही वो फॉलो करते हैं। अगर सीजनल वेजिटेबल और सीजनल फ्रूट्स या ऐसी चीजें जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-मिनरल्स से रिच हैं। अगर वो घर में नहीं खाई जा रही हैं, उसकी जगह प्रोसेस्ड फूड और जंक फूड खाना, शुगर फूड या ब्रिवरीज लिए जा रहे हैं तो इससे बच्चों को सही पोषण नहीं मिलता है और उनकी इम्यूनिटी कम होने लगती है। और इस वजह से रीकरंट इंफेक्शन होते हैं।

स्लीप पूरी न लेना

डॉ डीके गुप्ता बताते हैं कि हेल्दी रहने के लिए स्लीप बहुत जरूर फैक्टर है। अगर नींद का पैटर्न सही न हो तो कहीं न कहीं इससे भी इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। कई बार पेरेंट्स ध्यान नहीं देते हैं बच्चे देर रात तक जागते रहते हैं। अगर बच्चा नींद सही नहीं ले रहा है। वो डिजिटल एडिक्ट है यानी फोन देख रहा है या टीवी देख रहा है तो इससे भी उसे नींद नहीं आती है और ये बार-बार बीमार होने का कारण बन सकता है। बच्चों को सही समय पर सुलाएं और साथ ही उनको फोन या टीवी की टाइमिंग को कम करें।

पॉल्यूशन भी है वजह

एक्सपर्ट कहते हैं कि आज के टाइम में पॉल्यूशन एक बहुत बड़ी वजह है जिससे कम उम्र में ही अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियां होने लगती हैं। इसके लिए हम-आप बड़े ही कहीं न कहीं जिम्मेदार हैं। अगर कहीं पर पॉल्यूशन ज्यादा है तो वहां पर एयर फिल्टर, एयर प्यूरीफायर लगाने के साथ ही घर में इंडोर प्लांट रखने चाहिए। हम सभी को इसके लिए जर्नलाइज काम करने चाहिए जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का यूज करना। बच्चों की डाइट सही रखें, उन्हें सही समय पर सुलाएं। स्क्रीन टाइमिंग कम करें और समय पर वैक्सीनेशन करवाएं साथ ही पॉल्यूशन से जितना हो सके बचाकर रखें।

डी-टैन और ब्राइटनिंग फेशियल में हैं ये फर्क, जानें आपके लिए क्या है बेहतर

आजकल फेशियल में कई ऑप्शन होते हैं। लेकिन हर किसी को अपने स्किन टाइप और जरूर के मुताबिक ही इसे सेलेक्ट करना चाहिए। इनमें सबसे ज्यादा कोमन है। आइए जानते हैं इन दोनों में क्या अंतर हैं और दोनों में से आपके लिए क्या बेहतर रहेगा।

स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए सही लाइफस्टाइल और हेल्दी लाइट के साथ में स्किन केयर करना बहुत जरूरी है। रोजाना मॉइस्चराइजर, टोनर और सनस्क्रीन लगाने के अलावा भी 10 से 15 दिन में स्क्रब किया जाना चाहिए, जिससे स्किन पर मौजूद डेड स्किन सेल्स और धूल-मिट्टी को कम किया जा सके। लेकिन इसके अलावा फंक्शन या खास अवसर पर ज्यादातर लोग फेशियल करवाते हैं।

फेशियल से स्किन को हेल्दी बनाने और ग्लो लाने में मदद मिलती है। लेकिन यह हर किसी व्यक्ति की स्किन की जरूरत के मुताबिक किया जाता है। आजकल कई तरह के फेशियल होते हैं। ऐसे में आपको अपनी स्किन टाइप और जरूरत के मुताबिक इसका चयन करना चाहिए। इसे डी टैन और स्किन ब्राइटनिंग फेशियल भी शामिल है। आइए जानते हैं इन दोनों में क्या अंतर है और इसमें से आपके लिए कौन-सा सही है।

डी-टैन फेशियल

डी-टैन फेशियल स्किन से टैन को हटाने और रंगत में निखार लाने में मदद करता है। इसमें एक्सफोलिएशन यानी की स्क्रब करना, क्लीनिंग और मॉइस्चराइजिंग की जाती है। इसके बाद डी-टैन मास्क का उपयोग किया जाता है। इसे बाद चेहरे की मसाज की जाती है। अब पानी से फेस को साफ करे मॉइस्चराइजर का उपयोग किया जाता है।

इससे टैनिंग को कम करने, गहराई से चेहरे को साफ करने, स्किन को ग्लोइंग और हाइड्रेट बनाने में मदद मिलती है। साथ ही इसके बाद स्किन फ्रेश महसूस होती है। ऐसे में जिन लोगों के चेहरे पर धूप के कारण टैनिंग हो गई है या फिर अनइवन स्किन टोन हो रही है, उनके लिए डी-टैन फेशियल करवाना सही रहता है।

ब्राइटनिंग फेशियल

ब्राइटनिंग फेशियल रंगत को निखारने में मदद करता है। जैसे की चेहरे पर काले धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करने में मदद मिलती है। ब्राइटनिंग फेशियल में पहले तो स्किन को क्लीन कर एक्सफोलिएट किया जाता है, इसके बाद सीरम और फेस मास्क का उपयोग किया जाता है। लास्ट में मॉइस्चराइजर लगाया जाता है।

बेजान और डल स्किन वाले लोगों के लिए यह सही रहता है। साथ ही काले धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन में यह ज्यादा सही रहता है। स्किन को हाइड्रेट रखता है। आप अपने मुताबिक इसे चुन सकते हैं। इसके अलावा किसी एक्सपर्ट या ब्यूटीशियन से बात कर सकते हैं। वह आपकी स्किन टाइप और जरूरत के मुताबिक आपको सही फेशियल चुनने की सलाह देंगे।

ठंडा, गर्म या गुनगुना पानी, दवा लेने के लिए कौन सा पानी ज्यादा बेहतर? जानें, कहीं आप रोज तो नहीं कर रहे ये गलती?

आजकल बहुत से लोग किसी न किसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए दवा का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, जब भी हम दवा लेते हैं, तो हममें से कई लोगों के मन में यह शंका होती है कि दवा ठंडे पानी के साथ लेनी चाहिए या गुनगुने पानी के साथ, यह सवाल लगभग सभी के मन में आता है। कुछ लोग बिना सोचे-समझे ठंडे पानी के साथ दवा ले लेते हैं, तो कुछ लोग गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हैं। बहरहाल, आज इस खबर में विशेषज्ञों से जानें कि दवा कैसे लेनी चाहिए और यह स्वास्थ्य के लिए कैसे फायदेमंद है।।।

दवा की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है

हम आमतौर पर दवाइयां टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या सस्पेंशन के रूप में लेते हैं। चाहे किसी भी रूप में ली जाए, शरीर में हर प्रकार की दवा का अवशोषण अलग-अलग होता है। इसलिए, विशेषज्ञ दवा की प्रकृति के अनुसार दवा लेने की सलाह देते हैं। दवा की प्रकृति ही यह निर्धारित करती है कि उसे किस तापमान पर लेना चाहिए।

एक गलती जो बहुत से लोग करते हैं

कई लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेकर बहुत बड़ी गलती कर देते हैं। आपको बता दें, जब हम दवाइयां लेते हैं तो वो पेट की बायोलॉजिकल मेम्ब्रेन में अवशोषित हो जाती हैं। ऐसे में दवाइयों में मौजूद तत्वों के अच्छे से अवशोषित होने के लिए पेट के इंटरनल एनवायरमेंट, जिसमें पेट और आंतों का तापमान भी शामिल है, का सही होना बहुत जरूरी है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो इससे शरीर का आंतरिक तापमान कम हो जाता है। इससे दवाइयों की घुलनशीलता कम हो जाती है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो शरीर ली गई दवा के प्रोसेस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता है और अपनी सारी एनर्जी पानी के तापमान को सामान्य करने में खर्च कर देता है। ऐसे में बता दें कि ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेने से दवाइयों का असर कम हो जाता है।

क्या ठंडे पानी के साथ दवा लेना हानिकारक है?

ठंडे पानी के साथ दवा लेने के नुकसान जानने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। इसके नुकसान को साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन ठंडे पानी के साथ दवा लेने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि आमतौर पर इंजेक्शन की तुलना में दवा की सामग्री को आवश्यक स्थान तक पहुंचने में अधिक समय लगता है। दवाइयों के अवशोषित होने से पहले, ठंडे पानी को शरीर के तापमान पर लाना आवश्यक है। यह प्रोसेस दवाइयों के अवशोषण में और देरी करती है।

सर्दी या गले में खराश

गले में खराश, खांसी या सर्दी होने पर डॉक्टर आमतौर पर गुनगुने पानी से गरारे करने और दवा लेने की सलाह देते हैं, क्योंकि गुनगुने पानी गले को आराम देता है और दवा लेना आसान बनाता है, जबकि ठंडा पानी गले में जलन और बेचैनी पैदा कर सकता है। कुछ दवाएं गुनगुने पानी के साथ लेने पर तेजी से असर करती हैं।

दवा लेने का सही तरीका क्या है?

दवा लेने के लिए सादा या कमरे के तापमान वाला पानी (गुनगुना पानी) पीना आमतौर पर सबसे अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह दवा के अवशोषण में मदद करता है और शरीर के लिए सौम्य होता है, जबकि अत्यधिक ठंडा पानी कुछ दवाओं के असर को धीमा कर सकता है। हम अक्सर डॉक्टरों को गुनगुना पानी या सादे पानी के साथ दवा लेने की सलाह देते सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि गुनगुने पानी के साथ दवा लेने से यह पेट में आसानी से घुल जाती है और आपके पेट और आंतों में पर्याप्त गर्मी बनी रहती है। इससे दवा का अवशोषण भी बेहतर होता है। साथ ही, दवा जल्दी असर दिखाने लगती है।

ध्यान रहें, गुनगुने पानी के साथ दवा लेना सभी दवाओं के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है, विशेष रूप से उन दवाओं के लिए जिन्हें धीमी गति से अवशोषित करने की आवश्यकता होती है।

क्रेडिट कार्ड रखने वालों को आरबीआई ने दी बडी राहत, अब लेट पेमेंट पर नहीं लगेगी पेनल्टी

आरबीआई ने क्रेडिट कार्ड धारकों को बड़ी राहत दी है। अब ड्यू डेट के बाद भी तीन दिन तक बिना जुर्माने के बिल भरा जा सकेगा। नया नियम अप्रैल 2027 से लागू होगा।

क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बड़ी राहत दी है। अब बिल की तय तारीख निकल जाने के बाद भी ग्राहकों को तुरंत लेट फीस नहीं देनी होगी। आरबीआई ने नए नियमों के तहत तीन दिन का अतिरिक्त समय देने का ऐलान किया है। इस फैसले से उन लाखों ग्राहकों को राहत मिलेगी, जो कभी-कभी समय पर बिल जमा नहीं कर पाते। साथ ही, लेट फीस के कैलकुलेशन को भी पहले से ज्यादा पारदर्शी और आसान बनाया गया है।

ड्यू डेट के बाद भी मिलेगा तीन दिन का समय

आरबीआई के नए नियम के अनुसार, क्रेडिट कार्ड बिल की ड्यू डेट निकलते ही लेट फीस नहीं लगेगी। ग्राहकों को तीन दिन का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड दिया जाएगा। उदाहरण के लिए, अगर आपके बिल की अंतिम तारीख 5 अप्रैल है, तो आप 8 अप्रैल तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के भुगतान कर सकते हैं। यह बदलाव उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा, जो व्यस्तता या तकनीकी कारणों से समय पर भुगतान नहीं कर पाते। इससे अनावश्यक पेनाल्टी से बचा जा सकेगा और ग्राहकों को थोड़ी अतिरिक्त राहत मिलेगी।

लेट फीस का नया गणित समझें

आरबीआई ने लेट फीस की गणना के तरीके में भी बदलाव किया है। अब जुर्माना पूरे बिल पर नहीं, बल्कि केवल बकाया राशि पर लगाया जाएगा। इससे ग्राहकों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ कम होगा। मान लीजिए आपने बिल का कुछ हिस्सा चुका दिया है, तो लेट फीस केवल बाकी बची रकम पर ही लगेगी। हालांकि, अगर तीन दिन की ग्रेस अवधि के बाद भी भुगतान नहीं किया जाता है, तो इसे बकाया माना जाएगा। ऐसी स्थिति में आपका क्रेडिट स्कोर प्रभावित हो सकता है, इसलिए समय पर भुगतान करना अब भी बेहद जरूरी रहेगा।

प्राकृतिक आपदा में भी मिलेगी राहत

आरबीआई ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित ग्राहकों के लिए भी बड़ा कदम उठाया है। अब बैंकों को राहत देने के लिए ग्राहक के आवेदन का इंतजार नहीं करना होगा। बैंक अपनी पहल पर प्रभावित ग्राहकों को जरूरी सहायता दे सकेंगे। यह नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होगा। वहीं, क्रेडिट कार्ड से जुड़े नए नियम 1 अप्रैल 2027 से प्रभावी होंगे। इसके अलावा, आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के दिशा निर्देशों में बदलाव का मसौदा भी जारी किया है। इस पर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे गए हैं।

अगर पुलिस करे एफआईआर लिखने से मना तो फिर क्या कर सकते हैं आप? यहां जानें अपने अधिकार

कई पुलिस वाले कई मामलों में आम आदमी की एफआईआर नहीं लिखते हैं जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आपको अपने अधिकार के बारे में पता होना जरूरी हो जाता है।

आज के इस समय में कब किसके साथ क्या हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। कई बार कई ऐसी घटनाएं मामले हो जाते हैं जिनमें हमें पुलिस की तक मदद लेनी पड़ती है। कभी सड़क पर कोई दुर्घटना हो या फिर कोई आपको परेशान कर रहा हो या फिर आपका मोबाइल चोरी हो जाए आदि। ऐसे में लोगों को पुलिस की मदद लेनी पड़ती है। पुलिस की मदद लेने का सबसे सरल तरीका है कि अपने नजदीकी थाने या चौकी में जाएं और वहां पर जाकर अपनी एफआईआर लिखवाए।

वहीं, कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं जिनमें पुलिस आम आदमी की एफआईआर नहीं लिखती। ऐसे में आम आदमी काफी परेशान हो जाता है और उसे लगता है कि अब आगे तो सब खत्म हो गया है आदि। पर ऐसा नहीं है, क्योंकि अगर पुलिस आपकी एफआईआर लिखने से मना कर रही है तो आपके पास कानूनी तौर पर कुछ अधिकार हैं जिनका इस्तेमाल कर आप अपनी एफआईआर लिखवा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस बारे में और बात करते हैं आपके अधिकारों की...

एफआईआर लिखने से पुलिस नहीं कर सकती है मना

ये जान लें कि पुलिस किसी की भी एफआईआर लिखने से मना नहीं कर सकती। पुलिस को लिखित और या मौखिक दोनों तरह से आप अपनी शिकायत दे सकते हैं। पुलिस को एफआईआर लिखवाने के बाद इसकी कॉपी लेना न भूलें, क्योंकि ये आपको आगे काम आती है और ये प्रूफ होता है कि आपने एफआईआर दर्ज करवाई है।

यहां कर सकते हैं शिकायत

पुलिस वाले अगर आपकी एफआईआर नहीं लिख रहे हैं तो आपको परेशान नहीं होना है। ऐसे में आप अपनी शिकायत आगे करवा सकते हैं। जैसे, आप अपनी लिखित शिकायत बड़े अफसर यानी एसपी या डीएसपी को अपनी शिकायत दे सकते हैं। यहां से आपको उचित मदद मिल सकती है।

ये भी है विकल्प

आपकी बात अगर एसी या डीएसपी के पास भी नहीं बनती है तो आप अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिए मजिस्ट्रेट के पास रिक्वेस्ट कर सकते हैं। आप एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध धारा 156(3) CrPC के तहत कर सकते हैं।

यहां से भी करवा सकते हैं एफआईआर

अगर आप चौकी या थाने में गए हैं और पुलिस वाले आपकी एफआईआर नहीं लिख रहे हैं, तो आप ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं। इसके अलावा आप पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। यहां दर्ज हुए मामलों पर पुलिस को एक्शन लेना ही पड़ता है।

ईरान ने अमेरिका को भेजा नया प्रस्ताव, क्या अब मान जाएंगे ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। युद्ध खत्म करने के लिए ईरान ने अमेरिका को एक और प्रस्ताव भेजा है। पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को 14 पॉइंट का एक नया शांति प्रस्ताव भेजा गया है, जिसका मकसद युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना है। इसे अमेरिका के पिछले 9 पॉइंट के प्लान के जवाब में तैयार किया गया है। ट्रंप ने इस नए प्रस्ताव पर कहा कि वह इसपर विचार कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पक्का नहीं पता कि वह ईरान के साथ कोई समझौता कर पाएंगे या नहीं। इससे पहले उन्होंने ईरान के एक पिछले प्रस्ताव पर निराशा जाहिर की थी।

बता दें, 8 अप्रैल को पाकिस्तान की मध्यस्थता से युद्ध विराम शुरू हुआ, लेकिन अभी तक कोई शांति समझौता नहीं हो पाया है। ईरान चाहता है कि युद्ध हमेशा के लिए खत्म हो जाए, जबकि ट्रंप की मांग है कि ईरान सबसे पहले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपनी प्रभावी नाकेबंदी खत्म करे। ट्रंप ईरान की परमाणु क्षमता को भी एक रेड लाइन (यानी ऐसी सीमा जिसे पार नहीं किया जा सकता) मानते हैं। वहीं ईरान साफ कर चुका है कि वह होर्मुज और यूरेनियम एनरिचमेंट पर अपने अधिकार से पीछे नहीं हटेगा।

अमेरिका नेवी ब्लॉकेड से फिर बिगड़े हालात

ईरान ने होर्मुज पर ब्लॉकेट 28 फरवरी कोअमेरिकी-इजराइली हमलों का जवाब में लगाया था। सीजफायर के बावजूद अमेरिका ने ईरानी पोर्ट्स पर नेवल नाकाबंदी जारी रखी है और दोनों पक्ष अभी भी होर्मुज स्ट्रेट में एक-दूसरे के जहाजों पर हमला कर रहे हैं, उन्हें कब्जा कर रहे हैं और रोक रहे हैं। जिससे स्थिति ऐसी बनी हुई है कि कभी भी युद्ध फिर से शुरू हो चुका है।

क्या है ईराम का 14 पॉइंट्स प्रस्ताव?

ईरानी मीडिया के मुताबिक ईरान का नया 14 पॉइंट प्रस्ताव अमेरिका समर्थित नौ पॉइंट्स प्लान का जवाब है, जिसमें मुख्य रूप से दो महीने के संघर्ष-विराम की मांग की गई थी। संघर्ष-विराम को आगे बढ़ाने के बजाय, ईरान चाहता है कि सभी मुद्दे 30 दिनों के भीतर सुलझा लिए जाएं और युद्ध का स्थायी खात्मा हो। मुख्य मांगों में भविष्य के हमलों के खिलाफ गारंटी, ईरान के आसपास से अमेरिकी सेना की वापसी, ईरान की जब्त संपत्तियों की रिहाई, प्रतिबंधों को हटाना, युद्ध-क्षतिपूर्ति, सभी युद्धों (लेबनान सहित) को खत्म करना और होर्मुज स्ट्रेट के कंट्रोल के लिए एक नई व्यवस्था शामिल है।

ईरान NPT पर हस्ताक्षरकर्ता के तौर पर यूरेनियम संवर्धन के अपने अधिकार पर भी जोर दे रहा है, हालांकि ट्रंप ने परमाणु मुद्दे को एक रेड लाइन बना दिया है। प्रस्ताव सौंपने के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री ने कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है। जॉर्जटाउन के प्रोफेसर पॉल मस्कग्रे ने कहा कि ईरान ने अपने रुख में थोड़ी नरमी दिखाई है और संभवतः उसने यह पूर्व शर्त हटा दी है कि अमेरिका स्ट्रेट में ईरानी आवाजाही पर अपनी दूरस्थ नाकेबंदी समाप्त करे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि दो सबसे बड़े मुद्दों यूरेनियम एनरिचमेंट और हाई यूरेनियम एनरिचमेंट के हस्तांतरण पर अमेरिका और ईरान के बीच काफी मतभेद बने हुए हैं और ट्रंप इस बात पर अड़े हुए हैं कि ईरान अपनी परमाणु क्षमता पूरी तरह से त्याग दे।

होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालेगा अमेरिका... ट्रंप ने प्रोजेक्ट फ्रीडम का किया ऐलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रोजेक्ट फ्रीडम नाम की नई योजना शुरू करने का ऐलान किया है। इस योजना का मकसद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालना है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कई देशों के जहाज इस अहम समुद्री रास्ते में फंसे हुए हैं। ट्रंप ने कहा कि कई देशों ने अमेरिका से मदद मांगी है। ये देश सीधे युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन उनके जहाज इस इलाके में फंस गए हैं।

ट्रंप ने कहा कि ये जहाज और उन पर मौजूद लोग निर्दोष हैं और उन्हें सुरक्षित निकालना जरूरी है। इस योजना के तहत अमेरिका अपने जहाजों की मदद से इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिखाएगा, ताकि वे बिना खतरे के बाहर निकल सकें और अपना काम जारी रख सकें। यह अभियान सोमवार सुबह (मिडिल ईस्ट समय के अनुसार) शुरू होगा।

ट्रंप ने इस कदम को मानवीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि कई जहाजों पर खाने-पीने और जरूरी सामान की कमी होने लगी है, जिससे वहां मौजूद लोगों को परेशानी हो रही है। इसलिए उन्हें जल्दी सुरक्षित निकालना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना से सभी देशों को फायदा होगा, यहां तक कि ईरान को भी।

ट्रंप ने अपने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे पूरी कोशिश करें ताकि सभी जहाज और उनके क्रू सुरक्षित बाहर निकल सकें। उन्होंने यह भी बताया कि कई जहाज तब तक वापस नहीं आएंगे, जब तक यह इलाका पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाता। इस बीच, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अच्छी चल रही है और आगे कोई बड़ा समझौता हो सकता है।

ईरान को चेतावनी दी

हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी ने इस ऑपरेशन में रुकावट डालने की कोशिश की, तो अमेरिका कड़ी कार्रवाई करेगा। इससे साफ है कि यह मिशन काफी संवेदनशील और जोखिम भरा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस जाता है। ईरान जंग की वजह से यहां रुकावट हुई है, जिससे पूरी दुनिया के व्यापार और तेल की कीमतों पर असर पड़ा है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान के 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया था और उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

कनाडा की नई खुफिया रिपोर्ट... खालिस्तान चरमपंथियों को माना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

कनाडा। खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए अब कनाडा सुरक्षित स्थान नहीं रहा है। कनाडा के एजेंसियों भी खालिस्तानियों को देश की सुरक्षा के लिए खतरा मान रही हैं। कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस ने खालिस्तानी चरमपंथियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। एजेंसी ने कहा कि यह समूह अपने हिंसक चरमपंथी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए देश की संस्थाओं का गलत इस्तेमाल करता है।

अपनी 2025 की पब्लिक रिपोर्ट में एजेंसी ने कहा कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों (CBKE) की गतिविधियां कनाडा और उसके हितों के लिए लगातार एक गंभीर खतरा बनी हुई हैं, खासकर हिंसक गतिविधियों में उनके शामिल होने को लेकर। इस रिपोर्ट के बाद

शुक्रवार को कनाडा सरकार की वेबसाइट पर जारी रिपोर्ट में कहा गया, "कुछ CBKEs के कनाडा के नागरिकों से अच्छे संबंध हैं। ये लोग कनाडा की संस्थाओं का इस्तेमाल अपने हिंसक चरमपंथी एजेंडे को बढ़ावा देने और समुदाय के ऐसे सदस्यों से चंदा इकट्ठा करने के लिए करते हैं जिन्हें इसकी भनक भी नहीं होती। बाद में इस पैसे का इस्तेमाल हिंसक गतिविधियों के लिए किया जाता है।"

खालिस्तानी चरमपंथी भारत में करते हैं एक अलग राष्ट्र की मांग

खालिस्तानी चरमपंथी समूह भारत के भीतर एक संप्रभु राज्य बनाने की मांग करते हैं। अलगाववादी गतिविधियों में शामिल होने के कारण नई दिल्ली ने इन्हें आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है। यह रिपोर्ट एयर इंडिया की फ्लाइट 182 पर हुए बम धमाके की 40वीं बरसी के एक साल बाद आई है। इस धमाके के संदिग्ध CBKE समूहों के सदस्य थे। रिपोर्ट में कहा गया है, "आज भी यह कनाडा के इतिहास का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है, जिसमें 329 लोग मारे गए थे, इनमें से ज़्यादातर लोग कनाडा के ही नागरिक थे।" हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खालिस्तान राज्य बनाने के लिए अहिंसक तरीके से की जाने वाली वकालत को चरमपंथ नहीं माना जाता। कुछ कनाडाई नागरिक खालिस्तान अलगाववादी आंदोलन का समर्थन करने के लिए वैध और शांतिपूर्ण अभियानों में हिस्सा लेते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, "सिर्फ व्यक्तियों का एक छोटा सा समूह ही खालिस्तानी चरमपंथी माना जाता है। ये लोग कनाडा को एक आधार (बेस) के तौर पर इस्तेमाल करते हैं और मुख्य रूप से भारत में हिंसा को बढ़ावा देने, उसके लिए चंदा इकट्ठा करने या उसकी योजना बनाने का काम करते हैं।"

मध्यस्थ बनकर पाकिस्तान ने कर लिया अपना धंधा सेट, ईरान के माल से कर रहा मोटी कमाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। होर्मुज के बाहर अमेरिकी नेवी ने ब्लॉकेड लगा दिया है, साथ ही युद्ध के बाद ईरान के UAE के साथ रिश्ते बेहद खराब हो गए हैं। युद्ध से पहले अपने व्यापार के लिए ईरान UAE की पोर्ट्स का भी इस्तेमाल करता था। अमेरिकी ब्लॉकेड और UAE से खराब रिश्तों ने ईरान के व्यापार को गहरी चोट दी है, लेकिन ईरान ने इनका हल निकालते हुए पाकिस्तान के साथ अपना पुराना समझौता एक्टिव कर दिया है। ईरान और पाकिस्तान के इस समझौते से पाकिस्तान को भी बड़ा फायदा हो रहा है। तसनीम न्यूज़ एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर अपने इलाके और बंदरगाहों के जरिए ईरान में सामान के ट्रांजिट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कराची, पोर्ट कासिम और ग्वादर ईरान के व्यापार के लिए अहम लॉजिस्टिक गेटवे बन गए हैं, जबकि दूसरी ओर वाशिंगटन की समुद्री नाकेबंदी ईरान की वैश्विक व्यापार तक पहुंच को रोकने की कोशिश कर रही है। यह कदम एक अहम बदलाव का संकेत है, क्योंकि ईरान लंबे समय से क्षेत्रीय व्यापार तक पहुंच के लिए UAE के बंदरगाहों, खास तौर पर जेबेल अली पर निर्भर रहा था।

ईरान पाकिस्तान के रास्ते बेच रहा अपना माल

इस्लामाबाद के कॉमर्स मंत्रालय ने 25 अप्रैल को पाकिस्तान के इलाके से सामान के ट्रांजिट का आदेश 2026 जारी किया, जिसे तुरंत लागू कर दिया गया है। यह आदेश 2008 में तेहरान के साथ हुए एक द्विपक्षीय सड़क परिवहन समझौते को सक्रिय करता है, जिसका इस्तेमाल पहले कभी नहीं किया गया था। इस आदेश के तहत छह जमीनी रास्ते खोले गए हैं, जो पाकिस्तान के तीन मुख्य बंदरगाहों को बलूचिस्तान के रास्ते ईरान की दो सीमा चौकियों, गब्द और ताफ्तान से जोड़ते हैं। यह ऐलान उसी समय हुआ है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बातचीत के लिए इस्लामाबाद के दौरे पर थे।

पाकिस्तान का हो गया धंधा सेट

पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक ग्वादर-गब्द कॉरिडोर, जो इन तय रास्तों में सबसे छोटा है। ईरान की सीमा तक पहुंचने में लगने वाले समय को घटाकर दो से तीन घंटे कर देता है। साथ ही, कराची के रास्ते माल भेजने की तुलना में इस रास्ते से परिवहन लागत में 45 से 55 फीसद तक की कमी आने का अनुमान है। साथ ही जब ईरान का माल यहां से जा रहा है तो पाकिस्तान को भी खूब फायदा हो रहा है।

पाकिस्तान के बंदरगाह अब एक बड़ा व्यापार आवाजाही हब बन रहे हैं। कराची और पोर्ट कासिम मिलकर हर साल लगभग 42 मिलियन टन कार्गो संभालते हैं, और इनमें काफी ज़्यादा अतिरिक्त कार्गो संभालने की गुंजाइश भी है। इंडस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक जब से युद्ध शुरू हुआ है, पाकिस्तान की ओर मोड़े गए कार्गो का लगभग 75 फीसद हिस्सा अकेले कराची ने ही संभाला है। ग्वादर बंदरगाह जिसे 'चाइना ओवरसीज़ पोर्ट होल्डिंग कंपनी' द्वारा 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे' (CPEC) के मुख्य केंद्र के तौर पर संचालित किया जाता है, ईरान के चाबहार बंदरगाह से लगभग 170 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। इस तरह इन तीनों बंदरगाहों में से यह भौगोलिक रूप से ईरानी क्षेत्र के सबसे करीब है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर बोले राजनाथ सिंह, दुनिया ने देखी भारत की मिलिट्री ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को तकनीकी युद्ध का प्रदर्शन बताते हुए सशस्त्र बलों द्वारा उन्नत प्रणालियों को अपनाने और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की उनकी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने 4 मई को प्रयागराज में नॉर्थ टेक सिम्पोजियम के उद्घाटन के अवसर पर ये बातें कहीं। सिंह ने ऑपरेशन के दौरान आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसे अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के एकीकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर स्वयं तकनीकी युद्ध का एक उत्कृष्ट उदाहरण था। इस ऑपरेशन में आकाशतीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई नवीनतम उपकरणों का भी उपयोग किया गया। इससे यह सिद्ध हुआ कि हमारी सशस्त्र सेनाएं न केवल बदलावों को समझ रही हैं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ उनका उपयोग भी कर रही हैं।

राजनाथ ने अनिश्चित सुरक्षा परिवेश में सतर्क रहने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि मैंने हमेशा अपनी सशस्त्र सेनाओं और रक्षा विशेषज्ञों से एक ही बात कही है, और मैं आज इसे फिर से दोहराना चाहता हूं कि हमें न केवल सक्रिय रहना चाहिए, बल्कि पहले से ही तैयारी करनी चाहिए। हमें हर तरह की स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों की तैयारी और अनुकूलन क्षमता का उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सेनाओं और उद्योगों ने बदलती परिस्थितियों का बहुत अच्छी तरह से विश्लेषण किया है। आपके लोगों की तैयारी हमेशा अद्यतन, सटीक और मानक के अनुरूप रहती है। और इसका सबसे बड़ा उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर हमारे सामने है।

एक साल बाद इस ऑपरेशन पर विचार करते हुए उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सेना की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन को एक साल बीत चुका है। जब भी ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र होता है, मुझे अपनी सेना के शौर्य की याद आ जाती है। आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को हमारे सैनिकों ने इतनी करारी शिकस्त दी कि पूरा देश गर्व से सिर ऊंचा करके खड़ा है। फिर भी यह अच्छा हुआ कि संयम बरतते हुए हमने केवल आतंकवादियों को निष्क्रिय किया – अन्यथा, दुनिया पहले से ही जानती है कि हमारी सेनाएं क्या कर सकती हैं।

रक्षा मंत्री ने युद्ध की बदलती प्रकृति और अपरंपरागत खतरों के उभरने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि हम युद्ध प्रणाली की अनिश्चितता को देखें, तो पहले के समय में कम से कम हमें इस बात का अंदाजा होता था कि विरोधी पक्ष क्या कर सकता है। उसकी सैन्य क्षमता, उसके उपकरण, उसकी रणनीति – इन सबका हमें अनुमान होता था। लेकिन अब, एक ऐसा अप्रत्याशित तत्व लगातार उभरता रहता है, जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। जिन चीजों को हम आम नागरिक जीवन का हिस्सा मानते थे, वे अब घातक हथियार बन रही हैं।

ट्रांसजेंडर कानून में अभी नहीं होगा बदलाव, केंद्र से मांगा जवाब, तीन जजों की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों से जुड़े संशोधित कानून की सांविधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए नोटिस जारी किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी अंतरिम राहत का सवाल नहीं उठता।

पीठ ने यह भी कहा कि मामले की आगे की सुनवाई के लिए इसे तीन जजों की बेंच के सामने रखा जाएगा, जिसका गठन सीजेआई करेंगे। अदालत ने इस मामले को छह हफ्ते बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। गौरतलब है कि संसद ने 25 मार्च को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संरक्षण और अधिकारों से जुड़े कानून में संशोधन विधेयक पारित किया था, जिसे 30 मार्च को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इस संशोधन में 'सामाजिक अभिविन्यास' को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। संशोधित कानून में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ अपराधों के लिए नुकसान की गंभीरता के आधार पर अलग-अलग सजा का प्रावधान भी किया गया है।

रणबीर कपूर से लेकर शाहिद कपूर तक, बॉलीवुड में इन स्टार्स के भाई-बहनों ने दिखाया एक्टिंग में दमखम

बॉलीवुड के कई ऐसे स्टार्स हैं, जिनके सिबलिंग्स भी उनके नक्शे कदम पर चलकर एक्टिंग लाइन में आए। उन्होंने केवल एक्टिंग ही नहीं की, बल्कि अपने किरदार से लोगों के दिलों में अपनी जगह भी बनाई।

बॉलीवुड में अक्सर देखा गया है कि स्टार्स के बाद उनके बच्चे या परिवार के दूसरे सदस्य भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखते हैं। अब सिर्फ स्टार किड्स ही नहीं, बल्कि उनके सिबलिंग्स (भाई-बहन) भी बड़े पर्दे और ओटीटी पर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

रिद्धिमा कपूर (रणबीर कपूर की बहन)

हाल ही में रिद्धिमा कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। वह रणबीर कपूर की बहन हैं। रिद्धिमा ने 'दादी की शादी' फिल्म के साथ डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ कपिल शर्मा और नीतू कपूर लीड रोल में नजर आएंगे।

खुशी कपूर (जान्हवी कपूर की बहन)

वहीं जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर भी अब फिल्मों में नजर आ रही हैं। खुशी ने ओटीटी फिल्म 'द आर्चीज' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रही हैं।

ईशान खट्टर (शाहिद कपूर के भाई)

शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर भी एक्टिंग में अच्छा काम कर रहे हैं। ईशान ने 'धड़क' से बॉलीवुड में एंट्री की थी और इसके बाद कई फिल्मों और वेब शोज में अपनी एक्टिंग का दम दिखाया।

सोहा अली खान (सैफ अली खान की बहन)

अगर बात पटौदी परिवार की करें, तो सैफ अली खान और उनकी बहन सोहा अली खान दोनों ही एक्टिंग में अपना नाम बना चुके हैं। सोहा ने कई फिल्मों में काम किया है और अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही में वे 'छोरी 2' में नजर आईं थीं, जिसके लिए उन्हें काफी सराहना मिली।

इब्राहिम अली खान (सारा अली खान के भाई)

वहीं नई जनरेशन में सारा अली खान और उनके भाई इब्राहिम अली खान भी चर्चा में हैं। सारा पहले से ही इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। उनके भाई भी कुछ फिल्मों में काम कर चुके हैं, जैसे- 'नादानियां' और 'सरजमीं।'

नीतू चंद्रा तलाश रहीं अच्छी फिल्में, हॉलीवुड तक के सफर पर बोलीं- काम पर ध्यान, एयरपोर्ट लुक्स के लिए टाइम नहीं

बिहार की एक सीधी-सादी लड़की से हॉलीवुड तक का सफर करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अब अच्छी फिल्मों की तलाश है। उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि वे अच्छी फिल्मों की तलाश में हैं और इसमें समय लगता है। गरम मसाला, ट्रैफिक सिग्नल और ओए लकी! लकी ओए! जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की दूसरी चकाचौंध और अनावश्यक बाहरी दिखावे पर। अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया, मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा।

अपने सफर के बारे में नीतू चंद्रा ने कहा, आज मैं फिर उसी जगह खड़ी हूं, जहां मैं आप सबसे दोबारा मिल पा रही हूं। मेरे पास एयरपोर्ट लुक्स के लिए समय नहीं है। मेरे पास अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान देने का समय है। मैं सही काम चुनने में अपना समय लगाती हूं, ताकि मैं दर्शकों के लिए हमेशा कुछ सार्थक ला सकूं।

अपनी मुश्किलों के बारे में बात करते हुए नीतू ने कहा, इसमें बहुत समय लगता है। आपको यह समझना होगा कि अकेले खड़े होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। एक मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली की लड़की का दुनिया घूमना और यहां तक पहुंचना, अकेले लडन्ना आसान नहीं होता।

एक्ट्रेस ने कहा कि जिंदगी में और काम के मामले में उनका मकसद हमेशा साफ रहा है। उन्होंने कहा, मेरी जिंदगी का मकसद, मेरा लक्ष्य, हमेशा अच्छा काम करते रहना और दर्शकों का प्यार पाते रहना रहा है। मैं इसी प्यार की वजह से यहां हूं। बताते चलें कि नीतू चंद्रा आने वाली फिल्म खलनायक 2 में संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

तुम्बाड 2 में आलिया भट्ट जमाएंगी रंग, खास किरदार से फैंस को देंगी तोहफा

सोहम शाह की तुम्बाड 2 बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म से आधिकारिक पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज पर अपडेट दिया था। अब एक और जानकारी फैंस को उत्साहित कर देगी क्योंकि फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट का नाम भी जुड़ गया है। जाहिर है कि सोहम शाह फिल्म्स और पेन स्टूडियोज मिलकर तुम्बाड 2 का बड़े पैमाने पर निर्माण कर रहे हैं। वहीं आदेश प्रसाद फिल्म के निर्देशक हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, लोककथाओं पर आधारित इस हॉरर फिल्म में आलिया एक विशेष भूमिका निभाएंगी। सूत्र ने बताया, निर्माताओं को एक ऐसे कलाकार की जरूरत थी जो कम स्क्रीन टाइम में गंभीरता और रहस्य का भाव ला सके। आलिया इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त थीं। सूत्र ने आगे कहा कि फिल्म में आलिया एक छोटी सी भूमिका निभाएंगी जो कहानी के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी। यही नहीं फिल्म का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

तुम्बाड 2 की शूटिंग फिलहाल मुंबई में चल रही है। जल्द ही अभिनेत्री शूटिंग के लिए परियोजना में शामिल होंगी। इस बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। खबरों की मानें, तो मुख्य अभिनेत्री के लिए प्रियंका चोपड़ा, नयनतारा और कैटरीना कैफ के नाम सबसे ऊपर हैं। बता दें, इस परियोजना की पहली किस्त तुम्बाड 2018 में आई थी। इसे 2024 में दोबारा रिलीज किया गया था, जिसकी सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने सीक्वल का ऐलान किया।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti Icom
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail Icom